MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | बुधवार, 02 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-242

सुभाष चंद्रा आदेश रुका

'ज़ी'-हुज़ूरी नहीं!

मुंबई, 01 सितंबर (एजेंसीज)।

ज़ी ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा के लिए बड़ा झटका देते हुए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन-सीएलटी) की नई पांच सदस्यीय विशेष बेंच ने मंगलवार को उस पूर्व आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें उन्हें व्यक्तिगत दिवालियापन कार्यवाही में लेनदारों के लगभग 22,006.57 करोड़ के स्वीकृत दावों के बदले मात्र 6.5 करोड़ चुकाकर निपटारा करने की अनुमति दी गई थी।

नई बेंच में अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल, न्यायिक सदस्य बच्चू वेंकट बालाराम दास व महेंद्र खंडेलवाल तथा तकनीकी सदस्य अतुल चतुर्वेदी व रवींद्र चतुर्वेदी शामिल थे। बेंच ने कहा कि 25 अगस्त का वह आदेश, जिसमें योजना को मंजूरी दी गई थी, फिलहाल लागू नहीं किया जा सकता क्योंकि एनसीएलटी सदस्यों के बीच कोई बहुमत वाली राय नहीं बनी थी। बेंच ने मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का फैसला लिया और सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया।बेंच ने चंद्रा को गारंटर की हैसियत से निर्देश दिया कि वे अपनी किसी भी संपत्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न बेचें, न हस्तांतरित करें और न ही किसी अन्य तरीके से अलग करें।

पुनर्भुगतान योजना और गंभीर विसंगतियां

विवाद सुभाष चंद्रा द्वारा प्रस्तावित पुनर्भुगतान योजना से जुड़ा है। यह व्यक्तिगत दिवालियापन कार्यवाही इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा दिवालियापन और दिवालिया संहिता (आईबीसी) की धारा 95 के तहत शुरू की गई थी।योजना के तहत चंद्रा ने लेनदारों को 22,006.57 करोड़ के स्वीकृत दावों के बदले मात्र 6.25 करोड़ चुकाने का प्रस्ताव रखा था। दिवालियापन प्रक्रिया की लागत के लिए अतिरिक्त 25 लाख निर्धारित किए गए थे। इस योजना में स्वीकृत दावों का केवल लगभग 0.03 प्रतिशत ही वसूली हो पाती और लेनदारों को लगभग 99.97 प्रतिशत का हेयरकट झेलना पड़ता।

पहले की सुनवाई और विभाजित फैसला

मामला पहले न्यायिक सदस्य अशोक कुमार भारद्वाज और तकनीकी सदस्य रीना सिन्हा पुरी की दो सदस्यीय डिवीजन बेंच के समक्ष गया था, जिसने पुनर्भुगतान योजना पर विभाजित फैसला सुनाया।

भारद्वाज ने केवल उन लेनदारों के संबंध में योजना को मंजूरी देने का पक्ष लिया जिन्होंने इसका समर्थन किया था, जबकि पुरी ने समाधान पेशेवर द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया में गंभीर खामियां पाते हुए योजना को खारिज कर दिया। इसके बाद मामला कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 419(5) के तहत तीसरे सदस्य न्यायिक सदस्य नीलेश शर्मा को भेजा गया।

25 अगस्त को शर्मा ने फैसला दिया कि योजना को मंजूरी दी जानी चाहिए और यह उन सभी लेनदारों पर बाध्यकारी होगी जिन्होंने इसका विरोध किया था। जब मामला मूल दो सदस्यीय बेंच के पास वापस आया तो उसने 31 अगस्त को कहा कि तीसरे सदस्य से कोई बहुमत वाली राय नहीं बनी।

चूंकि तीनों फैसले अलग-अलग थे, इसलिए मामला नए सिरे से एनसीएलटी अध्यक्ष को भेजा गया, जिन्होंने वर्तमान पांच सदस्यीय बेंच का गठन किया।

कैंटोनमेंट सुरक्षा में सेंध

सैन्य स्टोर से हथियार गोला-बारूद चोरी

ओमप्रकाश सिरवी

(विशेष रिपोर्ट)

हैदराबाद, 01 सितम्बर

सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के बोलारम स्थित 20 मद्रास रेजिमेंट परिसर के सुरक्षित हथियार एवं गोला-बारूद भंडार से हथियार चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी का पता 31 अगस्त 2026 को सुबह करीब 7:50 बजे चला। उस समय सेना के जवानों ने हथियार भंडार और बटालियन गोला-बारूद कक्ष खोला तो परिसर और हथियार रखने वाले बक्सों के ताले टूटे मिले। जांच में हथियार, मैगजीन और गोला-बारूद गायब पाए गए।

प्राथमिकी शिकायत के अनुसार हथियार और गोला-बारूद का अंतिम भौतिक सत्यापन 30 अगस्त को शाम करीब 6 बजे किया गया था। इसके बाद भंडार बंद कर दिया गया था। इसलिए चोरी की वास्तविक समय-सीमा 30 अगस्त शाम 6 बजे से 31 अगस्त सुबह 7:50 बजे के बीच मानी जा रही है। चोरी किस समय हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

घटना का स्थान सिकंदराबाद कैंटोनमेंट का बोलारम क्षेत्र है, जहां 20 मद्रास रेजिमेंट का परिसर स्थित है। चोरी हथियार और गोला-बारूद रखने वाले सुरक्षित भंडार से हुई। घटना सामने आने के बाद सेना ने क्षेत्र को सुरक्षित और सील किया तथा हथियारों और गोला-बारूद के रिकॉर्ड का दोबारा मिलान कराया। अधिकृत पहुंच रखने वाले कर्मियों से पूछताछ भी शुरू की गई। सेना की ओर से मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने बोलारम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। बोलारम थाना मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आता है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 लगाई गई हैं। प्राथमिकी में पांच असॉल्ट राइफल, सात पिस्टल, 21 मैगजीन और संबंधित गोला-बारूद चोरी होने का उल्लेख है। अन्य पुलिस एवं मीडिया रिपोर्टों में हथियारों का विस्तृत विवरण 12 हथियारों के रूप में दिया गया है, जिनमें चार एके-203 राइफल, एक इंसास 1बी1 राइफल, छह 9 एमएम पिस्टल और एक 6.35 बोर पिस्टल शामिल हैं। शुरुआती प्राप्त रिपोर्टों में 11 हथियार बताए गए थे। इसलिए आधिकारिक जांच पूरी होने तक हथियारों की अंतिम सूची को प्राथमिकी में दर्ज विवरण के अनुसार ही माना जाना उचित है।पुलिस और सेना ने भंडारण क्षेत्र, आसपास के परिसर और प्रवेश-निकास व्यवस्था की जांच शुरू की है। निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग, रिकॉर्ड और उन लोगों की जानकारी खंगाली जा रही है, जिन्हें हथियार भंडार तक अधिकृत पहुंच थी। ▶8पर

कॉकरोच सर्वोच्च!

दर्ज एफआईआर रद्द, मार्च टला

नयी दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट से जुड़े प्रदर्शनों के दौरान आंदोलनकारियों पर दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने और परीक्षा विवाद के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने का तंत्र तीन महीने के भीतर तैयार करने के निर्देश दिये हैं। न्यायालय के इस निर्देश के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली में आगामी पांच सितंबर को प्रस्तावित अपना मार्च वापस लेने का ऐलान कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को 20 से 25 जुलाई के बीच हुए विरोध प्रदर्शनों के समय दर्ज आपराधिक मामलों को समाप्त करने के साथ यह भी निर्देश दिया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इन घटनाओं से संबंधित प्राथमिकियों पर आगे कार्रवाई न की जाए। इनमें ऐसे मामले शामिल नहीं है जिन्हें न्यायालय ने अपवाद माना है।

न्यायालय के फैसले के बाद सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि संगठन ने मार्च वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, सरकार के सकारात्मक आश्वासनों, उन्हें आज मिली न्यायिक पवित्रता और इस अदालत द्वारा पारित आदेश को देखते हुए सीजेपी पांच सितंबर के मार्च के आह्वान को वापस लेती है। गौरतलब है कि सीजेपी ने सरकार पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले वापस लेने और पीड़ित परिवारों को मुआ-वजा देने के आश्वासनों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए इस प्रदर्शन का आह्वान किया था।

उच्चतम न्यायालय का यह निर्देश केंद्र तथा बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र द्वारा दायर उन याचिकाओं के बाद आया है जिनमें मामलों को बंद करने की मांग की गई थी। केंद्र और राज्यों ने पीठ को आश्वासन दिया कि तय विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मामले पहले की गई प्रतिबद्धताओं के अनुसार वापस लिए जाएंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि 20 से 26 जुलाई के बीच की घटनाओं के संबंध में कोई नयी एफआईआर दर्ज न की जाए। ▶8पर

ताबड़तोड़ हमलों के बाद ट्रंप चेतावनी

बदले की सोचना भी मत!

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह इन हमलों का बदला लेने के बारे में न सोचे, वरना इसके परिणाम बेहद घातक हो सकते हैं।

ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास, कशम द्वीप, जास्क और सीरिक में कई जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा दक्षिण-पूर्वी चाबहार और कोनारक इलाकों में चार प्रक्षेपास्त्र आ गिरे। ईरान की समाचार एजेंसी फार्स ने आईआरजीसी के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि अमेरिका को अपने नए हमलों पर पछतावा होगा।

29 जुलाई को दर्जनों आईआरजीसी ठिकानों पर हुए हमले के बाद कुछ हफ्तों तक शांति बनी हुई थी, लेकिन एक बार फिर मध्य पूर्व में युद्ध की स्थिति गंभीर हो गई है। अमेरिका ने आईआरजीसी पर होर्मुज क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों पर हमले की कोशिश का आरोप लगाया है।

अमेरिका ने यह हवाई हमला होर्मुज में ईरानी रॉकेट प्रक्षेपकों पर किए गए हमले के ठीक दो दिन बाद किया है। उस हमले के जवाब में ईरान ने सोमवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। ▶8पर

5000 यूएस सैनिकों की आहट पटाया में वेश्यावृत्ति पर रोक!

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

थाईलैंड के प्रसिद्ध पर्यटन शहर पटाया में अधिकारियों ने सेक्स वर्करों और वेश्यावृत्ति से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ शहरव्यापी कार्रवाई तेज कर दी है। यह कार्रवाई अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के आगमन से पहले की जा रही है। यह युद्धपोत करीब 250 दिनों से समुद्र में तैनात था, जहां से अमेरिकी सैनिक ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में हिस्सा ले रहे थे।

मध्य पूर्व में ईरान के खिलाफ महीनों तक चले अभियान में सहायता करने के बाद लगभग 5,000 अमेरिकी नौसैनिक, मरीन और पायलट 2 से 6 सितंबर के बीच पटाया के निकट पहुंचेंगे।

थाईलैंड का पटाया शहर राजधानी बैंकॉक से करीब 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह शहर अपने समुद्र तटों, रात्रिकालीन जीवन, मनोरंजन, पर्यटन और क्लबों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 23^0

रामसेवक सीईओ आज

अयोध्या ट्रस्ट की बैठक में होगा ऐलान

अयोध्या/लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को लेकर चल रहा इंतजार अब खत्म होने वाला है। 1 सितंबर को तीन सदस्यीय खोज समिति ने अपनी रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी है। अब 2 सितंबर को होने वाली बैठक में इन नामों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक के बाद ट्रस्ट के पहले सीईओ के नाम का ऐलान हो सकता है। इसके अलावा ट्रस्ट के कुछ अन्य खाली पदों पर भी इसी बैठक में फैसला होने की उम्मीद है। राम मंदिर ट्रस्ट की एक दिवसीय बैठक 2 सितंबर को मणिराम छावनी में होगी। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहले सत्र की शुरुआत दोपहर 2 बजे होगी। इसमें सबसे पहले ट्रस्टियों के तीन खाली पदों को भरने पर विचार किया जाएगा। इसके बाद महासचिव के नाम पर चर्चा होगी।

इसके बाद शाम 4 बजे से मुख्य बैठक होगी। इसमें धार्मिक न्यास समिति, निर्माण समिति, वित्त समिति, लेखा-परीक्षा समिति समेत प्रबंध समिति के पुनर्गठन पर फैसला लिया जा सकता है। यानी बैठक सिर्फ सीईओ के नाम तक सीमित नहीं रहने वाली है। ट्रस्ट से जुड़े कई अहम पदों को लेकर भी तस्वीर साफ हो सकती है।

पहले सीईओ के पद के लिए इस समय चार नाम चर्चा में हैं। इनमें मुठभेड़ विशेषज्ञ राजेश पांडे, बिहार के आईपीएस अधिकारी परेश सक्सेना, उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी दिनेश चंद्र और पूर्व आईएएस अधिकारी ▶8पर

कांग्रेस पैसा फर्स्ट!

टिकट नणनीति में बड़ा बदलाव

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। इसी बीच कांग्रेस आर्थिक रूप से मजबूत उम्मीदवारों को तरजीह देने की योजना बना रही है। पार्टी का मकसद चुनाव अभियान के दौरान अपनी आर्थिक और संगठनात्मक स्थिति को मजबूत बनाए रखना है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव को बेहद गंभीरता से लड़ने का इरादा रखती है। इसलिए जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले और अपने चुनाव प्रचार का खर्च स्वयं उठाने में सक्षम उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि, जहां जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले सामान्य पृष्ठभूमि के कार्यकर्ताओं के जीतने की संभावना अधिक होगी, वहां पार्टी इस नीति में रियायत दे सकती है। इसके अलावा, पार्टी की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उम्मीदवारों से पार्टी फंड में योगदान की भी उम्मीद की जा रही है। कांग्रेस का यह नया रुख 2022 के विधानसभा चुनाव के अनुभव का नतीजा माना जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, उस समय पार्टी ने कई उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए 70 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दी थी। हालांकि, चुनाव के बाद ऐसी शिकायतें सामने आईं कि फंड मिलने के बावजूद कई प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में इसका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया और रकम अपने पास बचा ली। ▶8पर

नमक की मदद से यूरिया को हाइड्राजीन में बदलने की नई प्रक्रिया विकसित

एडिलेड

आस्ट्रेलिया की एडिलेड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बिजली और साधारण नमक की मदद से यूरिया को हाइड्राजीन में बदलने की एक नई इलेक्ट्रोकेमिकल प्रक्रिया विकसित की है। हाइड्राजीन एक महत्वपूर्ण औद्योगिक रसायन है, जिसका इस्तेमाल राकेट प्रोपल्शन, दवाओं और ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों में किया जाता है। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया में इंसानी पेशाब और वेस्ट-वाटर से प्राप्त यूरिया का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। हाइड्राजीन को कई औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों में बेहद उपयोगी रसायन माना जाता है। इसका इस्तेमाल राकेट फ्यूल और प्रोपेलेंट के साथ-साथ फार्मास्युटिकल उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वैज्ञानिक नई ऊर्जा प्रणालियों, फ्यूल सेल और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी से जुड़ी तकनीकों में भी इसके संभावित उपयोग पर अध्ययन कर रहे हैं। हालांकि, हाइड्राजीन के पारंपरिक उत्पादन में पर्यावरण और ऊर्जा से जुड़ी कई चुनौतियां मौजूद हैं। मौजूदा औद्योगिक प्रक्रियाओं में खतरनाक रसायनों की जरूरत पड़ सकती है और उत्पादन में काफी ऊर्जा खर्च होती है।

एडिलेड यूनिवर्सिटी के स्कूल आफ केमिकल इंजीनियरिंग के अध्ययन के मुख्य लेखक डा. पेंगटांग वांग के अनुसार, हाइड्राजीन बनाने की पारंपरिक प्रक्रिया का सरल और अधिक टिकाऊ विकल्प विकसित करना महत्वपूर्ण हो सकता है। इसी उद्देश्य से शोधकर्ताओं ने यूरिया को फीडस्टाक के रूप में चुना। यूरिया इंसानी पेशाब में प्राकृतिक रूप से काफी मात्रा में मौजूद होता है, इसलिए शोधकर्ताओं ने यह जांचने की कोशिश की कि क्या इसे बेकार पदार्थ के बजाय उपयोगी रासायनिक संसाधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने शुद्ध यूरिया के साथ-साथ यूरिया से भरपूर वेस्ट-वाटर और इंसानी पेशाब का इस्तेमाल करके अपनी प्रक्रिया का परीक्षण किया। इससे यह संकेत मिला कि अलग-अलग स्त्रोतों से प्राप्त यूरिया को हाइड्राजीन उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि इस तकनीक को बड़े स्तर पर विकसित किया जाता है, तो यूरिया युक्त अपशिष्ट भविष्य में रासायनिक उद्योग के लिए कच्चे माल का स्त्रोत बन सकता है। इस प्रक्रिया में बिजली की मदद से रासायनिक प्रतिक्रिया कराई जाती है। इसमें साधारण नमक यानी सोडियम क्लोराइड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे बनने वाली क्लोरीन प्रजातियां इलेक्ट्रोड की सतह से जुड़ती हैं और यूरिया के साथ प्रतिक्रिया करके एन-क्लोरोयूरिया बनाती हैं।

इसके बाद यह मध्यवर्ती पदार्थ हाइड्रोलिसिस प्रक्रिया से गुजरता है और हाइड्राजीन का निर्माण होता है। प्रयोगों में टीम ने अलग-अलग यूरिया स्त्रोतों से हाइड्राजीन का उत्पादन करने की क्षमता प्रदर्शित की। हाइड्राजीन की अहमियत अंतरिक्ष और ऊर्जा तकनीक में भी है। इसका इस्तेमाल लंबे समय से राकेट प्रोपल्शन और अंतरिक्ष प्रणालियों में किया जाता रहा है। इसके अलावा फ्यूल सेल और अन्य उन्नत ऊर्जा तकनीकों में भी इसके संभावित उपयोग पर शोध जारी है।

न्यूज ब्रीफ

कुख्यात डाकू की चमडी से डाक्टर ने बनवाए जूते, लडा चुना, बना गवर्नर

न्यूयार्क। 19वीं सदी में अमेरिका के कुख्यात डाकू जार्ज पैरट की मौत के बाद उसकी जांघों और छाती की चमड़ी निकालकर उससे जूते और एक बैग बनवाए गए। हैरानी की बात यह है कि इन जूतों को तैयार करवाने वाले डाक्टर ने उन्हें पहना और बाद में राजनीति में उतरकर वायोमिंग के गवर्नर भी बने। जार्ज पैरट अपनी बड़ी नाक के कारण बिग नोज जार्ज' के नाम से कुख्यात था। वह अपने गिरोह के साथ मालगाड़ियों और स्टेजकोच को लूटने के लिए जाना जाता था। वर्ष 1878 में उसके गिरोह ने वायोमिंग में एक यात्री ट्रेन को पटरी से उतारकर लूटने की कोशिश की थी। योजना विफल होने के बाद पीछा कर रहे डिप्टी शेरिफ राबर्ट विडो और जासूस टिप विंसेंट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद पुलिस और रेलवे कंपनी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 20 हजार डालर का इनाम घोषित किया। करीब दो साल बाद मोंटाना के एक बार में शराब के नशे में पैरट ने कथित तौर पर हत्याओं की डींगें हांकनी शुरू कर दीं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और अदालत ने दोनों अधिकारियों की हत्या के मामले में उसे फांसी की सजा सुनाई। हालांकि फांसी से करीब दस दिन पहले 22 मार्च 1881 को उसने जेल से भागने की कोशिश की और जेलर पर हमला कर दिया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने जेल पर धावा बोल दिया और उसे बाहर निकालकर टेलीग्राफ के खंभे से लटकाकर मार डाला। इसके बाद इस मामले ने भयावह मोड़ लिया। शव लेने कोई रिश्तेदार नहीं आया तो डाक्टर थामस मैगी और डाक्टर जान यूजीन ओसबोर्न ने उस पर शोध करने के लिए शव अपने कब्जे में ले लिया। खोपड़ी का ऊपरी हिस्सा काटकर अलग किया गया।

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक अदा योनाथ का 87 वर्ष की उम्र में निधन

रेहोवोत। नोबेल पुरस्कार विजेता इजराइली वैज्ञानिक और एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफर अदा योनाथ का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी वाइजमैन इंस्टीट्यूट आफ साइंस ने दी, जहां उन्होंने अपने वैज्ञानिक जीवन का बड़ा हिस्सा बिताया था।

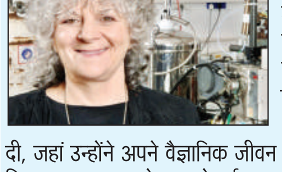

अदा योनाथ को वर्ष 2009 में राइबोसोम की संरचना और कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण शोध के लिए रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। उनके अनुसंधान ने यह समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि कोशिकाओं में प्रोटीन का निर्माण किस तरह होता है। उनके काम ने अधिक प्रभावी एंटीबायोटिक विकसित करने और एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया से मुकाबले के लिए वैज्ञानिकों को नई दिशा दी। वाइजमैन इंस्टीट्यूट के अनुसार, उनका शोध 21वीं सदी की गंभीर चिकित्सा चुनौतियों में शामिल एंटीबायोटिक प्रतिरोध से निपटने की कोशिशों में बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ। 1939 में यरुशलम में जन्मीं योनाथ का बचपन आर्थिक कठिनाइयों के बीच बीता। उन्होंने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन पढ़ाई जारी रखी। वर्ष 1968 में उन्होंने वाइजमैन इंस्टीट्यूट से एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी में पीएचडी पूरी की और इसके बाद विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने योनाथ को देश के वैज्ञानिक इतिहास की प्रमुख हस्तियों में शामिल बताते हुए उन्हें ऐसी अग्रणी महिला वैज्ञानिक बताया, जिन्होंने जिज्ञासा, लक्ष्य के प्रति समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाया।

चीन ने नेपाल के प्रमुख नाका रसुवागढ़ी और तातोपानी सीमा को अनिश्चितकाल के लिए किए बंद किया

काठमांडू। बाढ़ और भूस्खलन का जोखिम बढ़ने के मद्देनजर चीन ने नेपाल के साथ अपने प्रमुख व्यापारिक सीमा नाका रसुवागढ़ी और तातोपानी को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से रसुवागढ़ी सीमा नाके के टिमुरे बाजार, सीमा शुल्क कार्यालय और आव्रजन कार्यालय समेत कई संरचनाएं पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं। इसी बीच चीन ने एक अन्य प्रमुख नाका तातोपानी भी बंद कर दिया है। ल्हासा स्थित नेपाली महावाणिज्यदूत लक्ष्मी निरौला ने बताया कि लिपिङ क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा स्थिर होने तक चीनी पक्ष द्वारा व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू किए जाने की संभावना नहीं है। हालांकि, यात्रियों की आवाजाही जारी रहेगी। रसुवागढ़ी और तातोपानी दोनों सीमा नाके बंद होने के बाद अब नेपाल के लिए चीन से व्यापार करने के लिए कोरला सीमा नाका ही एकमात्र प्रमुख व्यापारिक विकल्प के रूप में बचा है।

ईरान पर हमले का खतरा बढ़ा, मंडराने लगे अमेरिकी ड्रोन

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जार्डन में सैन्य ठिकानों पर हुए ताजा ईरानी हमले से आगबबूला हैं। अमेरिका के जल्द ही ईरान पर बड़ा हमला करने की आशंका है। ट्रंप ने वादा भी किया है कि वह ईरान को इसका सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि जोरदार हमला किया जाएगा। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि ट्रंप की धमकी के बाद उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने पूर्वी होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक अमेरिकी एमक्यू- 9 ड्रोन को रोका।

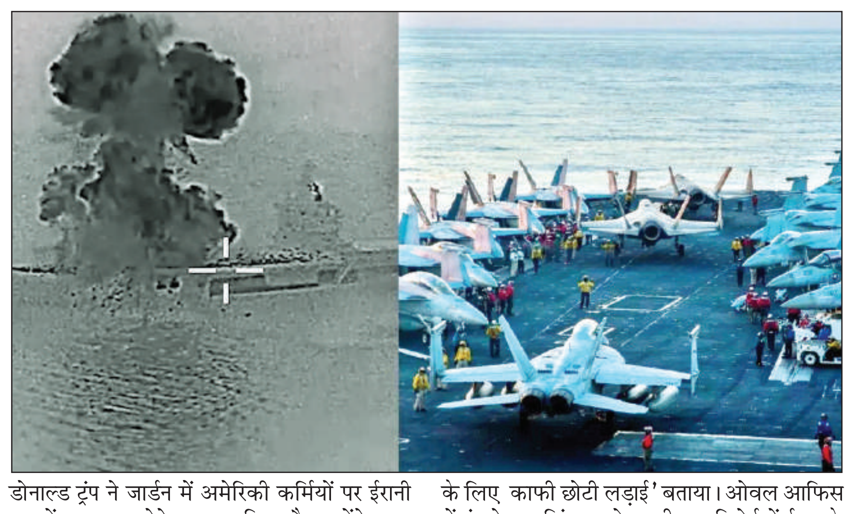

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग महीने भर की शांति के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य तनाव फिर बढ़ गया है। आठ

अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच शुरुआती संघर्ष विराम लागू होने के बाद से ऐसी कई बार नौबत आई है। तनाव बढ़ने पर अमेरिका ने कई बार ईरान पर हमले किए हैं। इनमें 25 मई, 27 मई, 30 मई, 31 मई, 2 जून, 5 जून, 9 जून, 10 जून, 26 जून, 27 जून, 7 जुलाई, 8 जुलाई, 11 से 23 जुलाई और 30 अगस्त के हमले शामिल हैं। इन हमलों में रडार साइट्स, एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन व मिसाइल सुविधाओं को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कहा कि यह हमले ईरान की धमकियों या हमलों के जवाब में किए गए। हालांकि वाशिंगटन और तेहरान 17 जून को संघर्ष विराम के एक समझौते पर सहमत हुए। बाद में नियमों के उल्लंघन के कारण फिर से टकराव शुरू हो गया। और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते को रद्द घोषित कर दिया। जुलाई में संघर्ष काफी बढ़ गया और कई रातों तक लगातार सैन्य कार्रवाई होती रही। इसके जवाब में ईरान ने जार्डन, बहरीन, कुवैत और कतर जैसे देशों में अमेरिकी सेना से जुड़े ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल शिपिंग में भी रुकावट पैदा की। धैर्य जवाब देने पर अमेरिका ने 30 अगस्त को लराक द्वीप पर ईरान के दो लान्चरों को निशाना बनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जार्डन में अमेरिकी कर्मियों पर ईरानी हमलों का जवाब देने का वादा किया है। उन्होंने कहा, हम उन पर जोरदार हमला करेंगे। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य सुरक्षित है। हमले में ईरान के वित्तीय सिस्टम, सेना और नेतृत्व को काफी नुकसान पहुंचा है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम अब हमला नहीं करेंगे।

इस बीच यूके मैरीटाइम ट्रेड आपरेशन्स ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलते समय ओमान के खसाब के पास एक टैंकर पर तीन अज्ञात प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या राकेट जैसे हथियार) से हमला किया गया। इस घटनाक्रम पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जान बोल्टन की टिप्पणी आई है। उन्होंने इसे ईरानी तेल पर अमेरिकी रोक को बड़ी जीत' बताया है। उन्होंने कहा कि इसका ईरान की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ रहा है और इसे जारी रहना चाहिए। बोल्टन ने कहा कि यह रोक ईरान को तेल और अन्य सामानों का निर्यात करने से रोकने में बहुत असरदार' रही है। ऐसा युद्ध की शुरुआत से ही लागू होता तो और बेहतर होता। उन्होंने कहा कि चीन, वाशिंगटन के दबाव अभियान के लिए मुख्य चुनौती बना हुआ है, क्योंकि वह लंबे समय से ईरानी तेल का बड़ा खरीदार रहा है। चीन ने अपने बैंकिंग सिस्टम के जरिए ईरान को वित्तीय संपत्ति ट्रांसफर करने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'ईरान को आर्थिक रूप से मदद करने वाले देशों और खासतौर पर चीन पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ टकराव को अमेरिका के लिए काफी छोटी लड़ाई' बताया। ओवल आफिस में ट्रंप ने द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में ईरान के संबंध में जताई गई चिंताओं को खारिज कर दिया। राष्ट्रपति ने कहा, यह हमारे लिए काफी छोटी लड़ाई है। यह कोई बड़ी लड़ाई नहीं है।' ट्रंप ने ईरान के बारे में कहा, वे एक नाकाम देश है।' उधर, सेना की 82वीं एयरबोर्न यूनिट के परिवारों को बताया गया कि मध्य पूर्व में तैनाती 2027 तक चलेगी। नार्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में स्थित सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के अधिकारियों की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि तैनाती के कुल 12 महीने तक चलने की उम्मीद है। मेजर जनरल ब्रैंडन टेगटमेयर और कमांड सार्जेंट मेजर जेम्स ब्रैडशा ने पत्र में यह जानकारी दी। इस बीच बताया गया है कि ट्रंप तेल रिफाइनर और डिस्ट्रीब्यूटर से मिलेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि बैठक में छोटे, मध्यम और बड़े रिफाइनर और डिस्ट्रीब्यूटर के साथ-साथ आंतरिक सचिव डग बर्गम और ऊर्जा सचिव क्रिस राइट भी शामिल होंगे। वित्त सचिव स्काट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के नए आर्थिक दबाव अभियान का मकसद ईरान को वापस बातचीत की मेज पर लाना है। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के वित्तमंत्रियों के साथ नार्थ कैरोलिना में हुई बैठक के दौरान बेसेंट ने कहा, इसका मकसद ऐसे हालात बनाना है कि वे खुद बातचीत की मेज पर आना चाहें। राष्ट्रपति का रुख बिल्कुल साफ रहा है। ईरान को अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम छोड़ना होगा। जलडमरूमध्य को खुला रखना होगा।

अविवाहित युवाओं को डेनमार्क में कराया जाता दालचीनी स्नान

कोपेनहेगन

भारत की तरह डेनमार्क में भी शादी के दौरान की जाने वाली काफी मजेदार परंपरा है। इस अनोखी परंपरा के तहत 25 साल की उम्र तक अविवाहित रहने वाले युवाओं को सरेआम दालचीनी स्नान कराया जाता है। यह सिर्फ घर के अंदर नहीं बल्कि सार्वजनिक जगहों पर भी होता है, और कई बार तो बीच सड़क खंभे या पेड़ से बांधकर यह काम किया जाता है। यह परंपरा सिनमान ट्रेडिशन या कैनल ट्रेडिशन के नाम से जानी जाती है और अविवाहित युवक को सिनमान मैन या कैनल फ्रेंड, जबकि युवती को सिनमान मेडन कहा जाता है।

इस रस्म को अंजाम देने के लिए, जन्मदिन वाले व्यक्ति को अक्सर किसी कुर्सी, लैंपपोस्ट, पेड़ या खंभे से बांध दिया जाता है ताकि वह भाग न सके। फिर दोस्त और परिवार वाले अचानक हमला बोल देते हैं और उस पर बाल्टी भर दालचीनी पाउडर सिर से पैर तक डाल देते हैं। पाउडर को शरीर पर अच्छी तरह चिपकाने के लिए पानी छिड़का जाता है या अंडे भी फोड़े जाते हैं। सुरक्षा के तौर पर, कभी-कभी लोग सुरक्षा चश्मा और मास्क पहनकर यह उत्सव मनाते हैं, क्योंकि दालचीनी पाउडर सांस में जा सकता है।

कुछ जगहों पर तो दालचीनी को अच्छी तरह फैलाने के लिए लीफ ब्लोअर या अन्य उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जाता है, जिससे पूरा शरीर भूरा हो जाता है, कपड़े खराब हो जाते हैं और सड़क या आंगन दालचीनी से भर जाता है। यह पूरा नजारा हंसी-मजाक, फोटो और सोशल मीडिया पोस्ट्स का सिलसिला शुरू कर देता है। कई युवा इस रस्म के लिए पहले से ही तैयार रहते हैं और पुराने कपड़े पहनकर या गागल्स लगाकर इंतजार करते हैं। आलबार्ग जैसे शहरों में तो सड़कों पर दालचीनी की खुशबू महसूस की जा सकती है, जो इस परंपरा की व्यापकता को दर्शाती है। हाल ही में कुछ इलाकों में सिनमान पोल यानी खास खंभे भी लगाए गए हैं ताकि लोग लैंपपोस्ट या अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को गंदा न करें। इस अनोखी परंपरा की जड़ें 16वीं-17वीं शताब्दी में बताई जाती हैं।

उस समय मसाला व्यापारी एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते थे और शायद ही कभी एक जगह बस पाते थे, इसलिए वे अक्सर अविवाहित रह जाते थे। ऐसे पुरुषों को पेबर्सवेंड यानी पेपर ड्यूड या मसाला वाला कुंवारा, और महिलाओं को पेबरमो यानी पेपर मेडन कहा जाता था। समय के साथ मसालों का संबंध अविवाहित होने से जुड़ गया। मूल रूप से यह 30 साल की उम्र पर काली मिर्च छिड़कने की परंपरा थी, जो बाद में 25 साल की उम्र पर दालचीनी वाली रस्म में बदल गई।

सिंगापुर सरकार हर बच्चे को देगी 53 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता

सिंगापुर। देश में लगातार गिर रही जन्मदर के बीच परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए देश की सरकार ने बड़ा आर्थिक सहायता पैकेज घोषित किया है। नई योजना के तहत 17 साल तक की आयु के हरेक सिंगापुर नागरिक बच्चे को कई योजनाओं के जरिए से कुल मिलाकर करीब 70 हजार सिंगापुर डालर की सहायता मिल सकती है, जो भारतीय मुद्रा में करीब 53 लाख रुपए के बराबर है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब देश की कुल प्रजनन दर घटकर रिकार्ड निचले स्तर 0.87 पर पहुंच गई है। सिंगापुर के पीएम लारेंस वोंग ने राष्ट्रीय दिवस रैली के दौरान परिवारों और बच्चों से जुड़ी नई सहायता योजनाओं की घोषणा की। पैकेज में बाल देखभाल सहायता, आवास सुविधाएं, माता-पिता के लिए छुट्टी, बाल देखभाल अनुदान और अन्य वित्तीय लाभ शामिल किए गए हैं। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्तीय वर्ष में परिवार और अभिभावकत्व से संबंधित योजनाओं पर करीब 7 अरब सिंगापुर डालर खर्च किए जाएंगे। नई व्यवस्था के तहत सिंगापुर में जन्म लेने वाले बच्चों को सालाना दो हजार सिंगापुर डालर का चाइल्ड क्रेडिट दिए जाने का प्रावधान है।

नेपाल के बाढ़ प्रभावितों के पुनर्वास के लिए कार्यदल गठित

काठमांडू

नेपाल के भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय ने रसुवा की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से प्रभावित नागरिकों को सामान्य जनजीवन में वापस लाने के लिए कार्यदल का गठन किया है।

मंत्रालय के अनुसार, कार्यदल का गठन 21 दिनों के भीतर प्रारंभिक पुनर्स्थापना और आवश्यक प्रबंधन के काम आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

कार्यदल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पुल, पेयजल, पुनर्वास, झोलुंगे पुल, मलबा प्रबंधन, संचार और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कार्यों की पहचान, समन्वय और कार्यान्वयन में सहयोग करेगा।

इसके साथ ही संबंधित हितधारक संस्थाओं और एजेंसियों को परिचालित कर कार्यों की नियमित निगरानी और रिपोर्टिंग भी की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि कार्यदल सभी संबंधित निकायों के बीच आवश्यक समन्वय करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र पुनर्स्थापना, आवश्यक बुनियादी ढांचे को फिर से संचालित करने और नागरिकों को सामान्य जनजीवन में लौटाने का काम तेजी से आगे बढ़ाएगा।

कार्यदल की प्रमुख जिम्मेदारी

1. आपदा से हुए नुकसान और जोखिम का शीघ्र तकनीकी एवं वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करना।
2. तत्काल शुरू की जाने वाली आपातकालीन पुनर्स्थापना और आवश्यक सेवाओं की पहचान कर संबंधित निकायों को परिचालित करना।
3. प्रभावित क्षेत्रों, संरचनाओं और परिवारों को जोखिम तथा प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत करना।
4. तत्काल, अल्पकालीन और दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार करना।
5. आवश्यक जनशक्ति, उपकरण, सामग्री और वित्तीय संसाधनों की जरूरत निर्धारित करना।
6. संघ, प्रदेश, स्थानीय निकाय, सुरक्षा एजेंसियों, निजी क्षेत्र और विकास साझेदारों के बीच समन्वय एवं सहजीकरण करना।
7. पुनर्निर्माण के दौरान भूगर्भीय स्थिति, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, भूस्खलन और अन्य आपदा जोखिमों को ध्यान में रखते हुए Build Back Better के सिद्धांत को लागू करना।
8. आवश्यक नीतिगत, कानूनी, प्रशासनिक और बजट संबंधी निर्णयों के लिए संबंधित निकायों तथा प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय को सिफारिश करना।
9. कार्य की प्रगति, सामने आई समस्याओं और उनके समाधान के उपायों सहित नियमित रिपोर्ट पेश करना।
10. कार्यदल के कार्यक्षेत्र में आने वाले कार्यों की निगरानी, मूल्यांकन और गुणवत्ता सुनिश्चित करना।
11. आपदा पुनर्स्थापना के दौरान प्राप्त अनुभव और आंकड़ों के आधार पर भविष्य में होने वाली आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक नीतिगत सुझाव देना।

अमेरिका के आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्काल ने राष्ट्रपति ट्रंप को सौंपा इस्तीफा

वाशिंगटन

अमेरिका के सेना सचिव (आर्मी सेक्रेटरी) डैन ड्रिस्काल ने रक्षा सचिव (डिफेंस सेक्रेटरी) पीट हेगसेथ के साथ कथित तनाव और मतभेदों के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया । डैन ड्रिस्काल ने लगभग 18 महीने तक पद पर रहने के बाद अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सौंपा। उनका इस्तीफा अभी स्वीकार नहीं हुआ है। व्हाइट हाउस ने आधिकारिक तौर पर इस्तीफे की कोई ठोस वजह नहीं बताई है।

अमेरिकी रक्षा विभाग और सेना से जुड़ी तकनीकी खबरों को कवर करने वाले समाचार पोर्टल डिफेंस स्कूप और आनलाइन समाचार पोर्टल एक्सिओस ने अपनी रिपोर्ट में इस घटनाक्रम की विस्तार से चर्चा की है। डिफेंस स्कूप ने पुष्टि की है कि सेना सचिव डैन ड्रिस्काल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उनके इस कदम के बारे में सबसे पहले वाल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट दी थी।

एक सैन्य अधिकारी ने कहा, 'सेना सचिव ने राष्ट्रपति से सेना की मौजूदा स्थिति के बारे में बात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया।' इस पर सेना के प्रवक्ता ने कहा कि सेना की इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं है। फाक्स न्यूज ने रिपोर्ट दी कि ट्रंप ने अभी तक इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बयान में कहा, 'सेना सचिव ड्रिस्काल ने विभाग में राष्ट्रपति ट्रंप के अमेरिका को फिर से मजबूत बनाने' के एजेंडे को आगे बढ़ाने में बहुत प्रभावी भूमिका निभाई है। उन्होंने ऐतिहासिक सैन्य अभियानों के दौरान बेहतरीन नेतृत्व प्रदान किया। रूस

और यूक्रेन के बीच बातचीत में मदद की। इससे अमेरिकी सेना पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली हो गई है।

ड्रिस्काल का इस्तीफा पीट हेगसेथ के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव की खबरों के बाद आया है। इस तनाव की वजह हेगसेथ का इस साल की शुरुआत में जनरल रैंडी जार्ज को आर्मी चीफ आफ स्टाफ के पद से हटाना और अन्य वरिष्ठ कमांडरों को हटाना शामिल है।

अगर व्हाइट हाउस ड्रिस्काल का इस्तीफा स्वीकार कर लेता है तो इसका मतलब होगा कि ईरान युद्ध में फिर से शुरू हुई लड़ाई के बीच सेना बिना सीनेट-अनुमोदित नेता के रह जाएगी। इस युद्ध में अमेरिकी सेना तेहरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाव में सबसे आगे रही है। माइकल ओबाडल आर्मी के अंडर सेक्रेटरी हैं और अगर ड्रिस्काल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है, तो वे कार्यवाहक सचिव के तौर पर काम कर सकते हैं। ड्रिस्काल अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह ड्रोनबस्टर' हथियार को बेहद घटिया' बता चुके हैं। ड्रिस्काल येल ला स्कूल से ग्रेजुएट हैं और उन्हें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का करीबी माना जाता है। उन्हें हेगसेथ के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर भी देखा जा चुका है। ड्रिस्काल, अमेरिका के इतिहास में सबसे कम उम्र के सेना सचिव हैं। उन्हें ट्रम्प 2.0' का एक अहम कमांडर माना गया। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने की बातचीत में कूटनीतिक भूमिका निभाई। द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हेगसेथ और ड्रिस्काल के बीच विवाद का एक कारण यह भी रहा कि हेगसेथ ने कथित तौर पर प्रमोशन की लिस्ट से चार अधिकारियों (दो अश्वेत पुरुषों और दो महिलाओं) का नाम हटा दिया था।फरवरी में हेगसेथ ने ड्रिस्काल के वरिष्ठ सलाहकार कर्नल डेविड बटलर को हटाने के लिए दबाव डाला था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला जुला रहेगा। कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे। मेहनत ज्यादा हो सकती है। जॉब बदलाव के योग बनेंगे , लेकिन सोच-समझकर फैसला लें। किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है। सेहत को लेकर सावधान रहें। आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी एक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती है। निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है। बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी मधुरता रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है। सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है। आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन-शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी। आप अपने परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य शुभ रहेगा। चिन्ता को छोड़ दें मुस्कुराते रहें।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलस्यी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता है। आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्व मिलेगा। और लाभकारी भी रहेंगे । आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद-विवाद में आपकी विजय होगी। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे.भगवान शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज धन लाभ का योग बन सकता हैं गुड धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है। किसी काम की गति धीमी हो सकती है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है। परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा। कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाईल के काम मे अधिकारी आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा। ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है। बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें। जल्दबाजी न करें। अकेलेपन से बचें। अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगड़ा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक-जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपको धर्म के क्रियाकलापों मे समय व्यतीत करना चाहिए समय अनुकूल रहेगा. आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं. आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है. घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा. उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं. घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है. करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है. साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा.दैनिक गाय को गुड और रोटी खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं , तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं. फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए .

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यो मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को वर्कलोड ज्यादा रहेगा जिससे दिमाग मे तनाव रहेगा स्वभाव मे झुंझलाहट रहेगी काम के बीच मे थोडा रैस्ट लेते रहें । नए काम को फिलहाल टाल दें लोगों के साथ आपका दुविधापूर्ण व्यवहार आपको मुश्किल में डाल सकता है. अपने जिद्दी स्वभाव को त्याग दें, नहीं तो किसी के साथ विवाद होने की संभावना है. आज आपको बेहतर मौके मिलेंगे खुद को स्वस्थ रखने के और फिजूल बातों से बचें. यात्रा पर जाने का आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा. समय के अन्तराल मे हैल्थ चैकप करालें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ना होगा . स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी ।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 सितंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रात: 06:14 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 01:43 तक
योग : ध्रुव रात्रि 09:12 तक
करण : तैतिल प्रात: 06:14 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 ,सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्र-हल षष्ठी , चांद छठ ,चन्द्रोदय रात्रि 10:09 भद्रा रात्रि 04:30 से , षष्ठी तिथि का क्षय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजपुरोहित समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

बेंगलूरु, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजपुरोहित समाज कर्नाटक एवं बेंगलूरु राजपुरोहित संघ के संयुक्त तत्वावधान में मैसूरु रोड स्थित राजपुरोहित समाज भवन में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में सैकड़ों विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. निधि राजपुरोहित, डॉ. मीना राजपुरोहित, शिक्षाविद् राजेन्द्रसिंह राजपुरोहित, बेंगलूरु में कार्यरत जीएसटी अधिकारी सचिन राजपुरोहित तथा राजपुरोहित सेवा न्यास, मुंबई के प्रबंध ट्रस्टी खेतसिंह मवड़ी बतौर अतिथि उपस्थित रहे। बेंगलूरु राजपुरोहित संघ के अध्यक्ष भंवरसिंह राजपुरोहित ने अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया, जबकि राजपुरोहित समाज कर्नाटक के अध्यक्ष नारायणसिंह राजपुरोहित ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। बीकानेर से आए विशिष्ट अतिथि प्रधानाध्यापक किशोरसिंह राजपुरोहित ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षा को बढ़ावा देने की इस पहल की सराहना की। इसरो के सहायक तकनीकी अधिकारी वीरेन्द्रसिंह, गरुड़ कमांडो अशोकसिंह राजपुरोहित, आर्मी स्कूल के कार्यालय अधीक्षक विकास राजपुरोहित सहित अन्य शिक्षाविदों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में कक्षा 1 से 8 तक 80 प्रतिशत से अधिक, कक्षा 9 से 12 तक 75 प्रतिशत से अधिक तथा डिग्री में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों के साथ आए अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

डॉ. निधि राजपुरोहित ने कहा कि राजपुरोहित समाज की बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए परिवार को पूर्ण सहयोग देना चाहिए। एक बालिका के शिक्षित होने से संस्कारवान एवं शिक्षित पीढ़ी का निर्माण होता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शिक्षा के दौरान उन्हें माता-पिता का पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिला, जिससे उन्होंने शिक्षा के साथ पीएचडी की उपाधि हासिल की।

डॉ. मीना राजपुरोहित ने भी विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षाविद् राजेन्द्रसिंह राजपुरोहित ने कहा कि दोनों संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किए जाने से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज की पहचान हमेशा सही मार्गदर्शन देने वाले समाज के रूप में रही है। वर्तमान युग शिक्षा का है और समाज का मार्गदर्शन करने के लिए स्वयं शिक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी एवं प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए भी प्रेरित किया।

जीएसटी अधिकारी सचिन राजपुरोहित ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज की बड़ी ताकत हैं। इनका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर पुरस्कार देना नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा और भविष्य के लिए मार्गदर्शन देना भी है।इस अवसर पर दोनों संस्थाओं की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन किशोरसिंह राजपुरोहित के साथ शोभा एवं भावना ने किया। संघ एवं समाज से जुड़े अनेक युवाओं और युवतियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व नन्हे-मुन्ने बच्चों एवं छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को आकर्षक बना दिया।

दृष्टिबाधित छात्रों के नए विशेष स्कूल भवन का उद्घाटन

निज़ामाबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. रेकुलापल्ली भूपति रेड्डी ने निज़ामाबाद जिला मुख्यालय के ताराकारामा नगर में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए नवनिर्मित विशेष स्कूल भवन का उद्घाटन किया। यह भवन 'स्नेह सोसाइटी फॉर रूरल रिकंस्ट्रक्शन' की देखरेख में बनाया गया है। इस अवसर पर विधायक ने दृष्टिबाधितों के प्रेरणास्रोत लुई ब्रेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधायक ने स्कूल परिसर का निरीक्षण करते हुए रसोई व्यवस्था, शिक्षण पद्धति और छात्रों को दी जा रही कंप्यूटर ट्रेनिंग की जानकारी ली। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सामान्य छात्रों को पढ़ाना भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने वर्ष 1999 से दृष्टिबाधित छात्रों को अपनाकर उनके भविष्य को संवारने के लिए सोसाइटी की प्राचार्या ज्योति, सचिव एस. सिद्दैया और शिक्षण स्टाफ के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सचिव सिद्दैया द्वारा दृष्टिबाधित छात्रों को सामान्य छात्रों की तरह एसएससी (10वीं) परीक्षा दिलाने की मांग सराहनीय है। विधायक ने आश्वासन दिया कि जिला कलेक्टर, शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर इस दिशा में हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार भी दिव्यांग छात्रों की प्रगति के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता और प्रोत्साहन दे रही है।

जिला कल्याण अधिकारी सौंदर्या ने बताया कि स्नेह सोसाइटी के छात्रों ने प्रशिक्षण के माध्यम से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने स्कूल की पूर्व छात्रा नम्पल्ली रजनी का उल्लेख किया, जो वर्तमान में मलेरिया विभाग में कार्यरत हैं और उन्होंने अपने साथी छात्रों की सहायता के लिए 50 हजार रुपये का दान दिया है।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक दसारी विजयानंद राव, दरम गंगाधर, डॉ. सविता रानी, सेरला दयानंद, ताती सुधाकर सहित विशिष्ट अतिथियों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष केशा वेणु, प्रौढ़ शिक्षा के उप निदेशक ए. पुरुषोत्तम, 18वें डिवीजन के नगरसेवक पसुनुरी रमेश, डिचपल्ली एएमसी अध्यक्ष मुप्पा गंगा रेड्डी, अमृतपुर गंगाधर, मुथा जनार्दन, ख्याथम हनुमानलू, गुडा श्रीनिवास रेड्डी, जालंधर, कनकैया सहित छात्र, अभिभावक और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सेवा की शक्ति है सकारात्मक सोच और सामूहिक प्रयास : सतीश गुप्ता

हैदराबाद। सेवा केवल किसी जरूरतमंद तक भोजन या सहायता पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने का संकल्प है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क वाटर टैंक पर मंगलवार को नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता ने कहा कि सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास और सकारात्मक सोच के कारण राधे-राधे ग्रुप लगातार सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। यह अपने आप में एक बड़ा कार्य है और इसके पीछे राधे रानी की कृपा के साथ-साथ सेवा में जुटे सदस्यों की निस्वार्थ भावना सबसे बड़ी शक्ति है।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य तभी सार्थक होता है, जब उसमें किसी प्रकार के स्वार्थ की भावना न हो। राधे-राधे ग्रुप से जुड़े सदस्य अपने समय, श्रम और सामर्थ्य के अनुसार सेवा में योगदान दे रहे हैं। यही सामूहिक भावना इस सेवा अभियान को निरंतर गति प्रदान कर रही है। सतीश गुप्ता ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए बड़े साधनों से अधिक आवश्यक है बड़ी सोच और सेवा का भाव। यदि कुछ लोग भी निस्वार्थ भाव से आगे बढ़कर मानव सेवा का संकल्प लें तो निश्चित रूप से समाज में एक नई चेतना का निर्माण किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के सहयोग, विश्वास और समर्पण का परिणाम है। राधे रानी की कृपा से सेवा की यह यात्रा इसी प्रकार निरंतर जारी रहे, यही सभी की कामना है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कर्मचारियों ने ओपीएस बहाली सहित विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

मदनूर, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के आह्वान पर मदनूर मंडल तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारियों ने मंगलवार को विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर के भोजन अवकाश के दौरान कार्यालय के सामने आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में राजस्व कर्मचारियों ने भाग लिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने, लंबित वेतन पुनरीक्षण आयोग (पीआरसी) की घोषणा तत्काल करने तथा लंबित महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान कर्मचारियों के खातों में जमा कराने की मांग की।

राज्य कर्मचारी संघ के जिला नेता रवि कुमार ने कहा कि कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए ओपीएस को बहाल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को पेंशन सुरक्षा से वंचित करने वाली सीपीएस नीति को समाप्त किया जाए। साथ ही लंबित पीआरसी को लागू करने तथा बकाया डीए का भुगतान ब्याज सहित करने की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में सरकार द्वारा अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर राज्यभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में मदनूर मंडल के नायब तहसीलदार खालिद, शिव रामकृष्ण, गिरदावर मुरलीधर, तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी बलराजू, कावेरी, प्रवीण, दशरथ, जीपीओ मंडल अध्यक्ष सत्यम, संतोष, बाबू, सुरेश, नरसिमलु, रंजीत, संगममा सहित राजस्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षिका ने स्कूल को भेंट किया वाटर प्यूरीफायर

मंचेरियाल, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दोनाबंडा सरकारी स्कूल की सामाजिक अध्ययन शिक्षिका श्रीमती ए. स्वरूपा रानी ने 31 अगस्त को सेवानिवृत्ति के अवसर पर विद्यालय को 40 हजार रुपये की लागत वाला वाटर प्यूरीफायर भेंट कर सेवा भाव की मिसाल पेश की। प्यूरीफायर की क्षमता प्रति घंटे 100 लीटर पानी शुद्ध करने की है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री नीलेश काछवाल एवं विद्यालय के शिक्षकों ने शिक्षिका की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने भी उनके इस प्रेरणादायी कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

बिना नंबर प्लेट वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा, 12 दोपहिया जब्त

मंचिरियाल, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचिरियाल शहर में बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर अथवा नंबर प्लेट से छेड़छाड़ कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने विशेष जांच अभियान चलाया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सोमवार को ट्रैफिक निरीक्षक हनन के नेतृत्व में हुई सघन जांच में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 दोपहिया वाहन जब्त किए गए, जबकि 40 वाहनों के चालान काटे गए। ट्रैफिक निरीक्षक हनन ने वाहन चालकों से परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार स्पष्ट एवं आसानी से दिखाई देने वाली नंबर प्लेट लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नंबर प्लेट न होने अथवा स्पष्ट दिखाई नहीं देने से दुर्घटना या अपराध की स्थिति में वाहन और संबंधित व्यक्ति की पहचान करने में परेशानी होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक जगहों पर शराब और डीजे पर रोक, ड्रोन पर भी सख्ती

पेद्दापल्ली, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के तहत मंचिरियाल और पेद्दापल्ली जोन में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने और तेज आवाज में डीजे बजाने पर रोक जारी रहेगी। पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने बताया कि आम लोगों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और सार्वजनिक शांति को ध्यान में रखते हुए ये आदेश 1 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेंगे।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर असामाजिक गतिविधियों और लोगों से अभद्र व्यवहार की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है। वहीं, ध्वनि प्रदूषण रोकने तथा बच्चों, बुजुर्गों, बीमारों और विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए तेज आवाज वाले डीजे पर भी रोक लगाई गई है। कार्यक्रमों में माइक या साउंड सिस्टम के लिए संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। कमिश्नर ने बताया कि रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में सिटी पुलिस एक्ट के तहत 1 सितंबर सुबह 6 बजे से 1 अक्टूबर सुबह 6 बजे तक धरना, रैली, जुलूस, बैठक और सभा आयोजित करने पर रोक रहेगी। ऐसे कार्यक्रमों के लिए पूर्व अनुमति जरूरी होगी। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा संबंधित पुलिस कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। बंद के नाम पर संस्थानों या कार्यालयों को जबरन बंद कराने, दबाव डालने अथवा धमकी देने वालों पर भी सख्त कार्रवाई होगी।

कमिश्नर ने सभी नागरिकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

गोदावरीखनी में पुलिस का निरीक्षण, नशे के खिलाफ सख्ती

पेद्दापल्ली, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मादक पदार्थों के उन्मूलन, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रामागुंडम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मंगलवार को गोदावरीखनी प्रथम नगर पुलिस ने गांधी चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में अचानक निरीक्षण किया। प्रथम नगर निरीक्षक इंद्रसेना रेड्डी के नेतृत्व में नारकोटिक्स डॉग स्क्वाड की सहायता से दुकानों, पान एवं चाय की दुकानों, नवनिर्मित क्षेत्रों, युवाओं के जमावड़े वाले स्थानों और अन्य संदिग्ध इलाकों की सघन जांच की गई। पुलिस ने मादक पदार्थों के परिवहन, बिक्री, भंडारण और सेवन जैसी अवैध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी। निरीक्षक इंद्रसेना रेड्डी ने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए नियमित निरीक्षण के साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों के परिवहन, बिक्री, भंडारण या सेवन में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण अभियान में पुलिसकर्मियों के साथ नारकोटिक्स डॉग स्क्वाड के जवान भी शामिल रहे।

भजन-कीर्तन से गूंजा भवानी शंकर मंदिर, बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे

पेद्दापल्ली, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण मास के तीसरे सोमवार और संकष्टहारा चतुर्थी के अवसर पर पेद्दापल्ली स्थित श्री भवानी शंकर मडला रामलिंगेश्वर स्वामी शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं सजावटी पूजा का आयोजन किया गया। स्वामी को भस्म उडोला से विशेष अलंकरण किया गया। वहीं, संकष्टहारा चतुर्थी के अवसर पर गणपति पूजा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

इस अवसर पर सनातन धर्म प्रचार भजन मंडली की ओर से भजन पारायण सेवा आयोजित की गई। मंडली के सदस्यों ने भक्तिमय भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में ठाकुर बालाजी सिंह, सीलम बाबू, वीरस्वामी, राजन्ना, कोटाशंकर, राजेश, बज्जुरी रमेश, मल्लेशम, रमेश कृष्णमाचारी, मुस्तयाला लिंगमूर्ति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

ऐसे मिलेगी सफलता और समृद्धि

फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है।

फेंगशुई में जानवरों, वाहनों उनके चित्रों को शुभ बताया गया है। फेंगशुई के अनुसार घोडा, कछुआ, हाथी, बाघ आदि की छोटी प्रतिमा घर में उचित स्थान पर रखने से घर में रहने वाले लोगों के जीवन में सफलता एवं संपन्नता आती है। सौभाग्य और शक्ति प्राप्त होती हैं, तो घर में ऊर्जा का संचार होता है और जिंदगी को जिंदादिली से जीने का संदेश मिलता है। इसे ट्विन क्रिस्टल भी कहा जाता है। इसे फेयरी क्रास भी कहते हैं। इसे घर में रखने से घर के लोगों के बीच अच्छी आदतों का संचार होता है। फेंगशुई में पैसा कमाने और धन-समृद्धि बढाने के लिए कई तरह के उपाय अपनाने पर जोर दिया जाता है। इसके प्रभाव से जातक को सकारात्मक ऊर्जा का आभास होता है। इसके फलस्वरूप गृह, कलेह जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। फेंगशुई के अनुसार बेड के नीचे बेकार चीजें या पुराना कबाडा रखा होने पर घर में अशांति पैदा होती है। धन लाभ व समृद्धि प्राप्ति के लिए ड्राइंग रूम के प्रवेश द्वार के दाएं कोने पर विंड चाइम लगाना शुभ होता है।

यदि खराब नल की वजह से पानी टपकता है तो उसे तुरंत सही करवा लेना चाहिए। नल से पानी टपकने का मतलब है धन की हानि। इसलिए घर में पानी टपकने न दें। दक्षिण दिशा को संवारे और पैसा पूर्व दिशा में रखें। फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है। फेंगशुई में भी झाड़ू को धन-संपत्ति का सूचक बताया गया है। इसके अनुसार इस्तेमाल ना होने की सूरत में झाड़ू को दूसरों की नजरों से हटाकर रखना चाहिए। इसके अनुसार मुख्य द्वार के नीचे और सामने की जमीन को हमेशा साफ रखना चाहिए। साथ ही घर की नालियों की गंदगी को घर से बाहर निकालने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। पैसों की तंगी से बचने के लिए टॉयलेट के दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए। अगर हो सके तो मछलियों के जोडे को घर में लटकाना चाहिए। इनके प्रभाव से घर में धन की बरकत और कार्यक्षेत्र में उन्नति होती है। वैसे मछलियों को प्राचीन ग्रंथों में भी शुभ माना गया है। इसे शुभता की निशानी कहा गया है। इन्हें गुरुवार अथवा शुक्रवार को घर में टांगना शुभ होता है। माना जाता है कि तीन भाग्यशाली सिक्कों को अगर लाल रिबन से लटका कर घर के मुय द्वार में अंदर की तरफ लटकाया जाए तो यह धन और समृद्धि को घर खिंच कर ले आता है। मनीप्लांट एक लंबे अर्से से भारतीय घरों में जगह बनाए हुए है। इसकी वृद्धि के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती। इसे कांच की साफ बोतल में लगाया जा सकता है। ध्यान रखें कि इसकी बेल हमेशा जमीन से ऊपर उठती हुई ही प्रतीत हो।

जानिये आखिर कब-कब शांतचित्त भगवान श्री राम को आया क्रोध

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्री राम को शांतचित्त, गंभीर, सहिष्णु और धैर्यवान माना जाता है। वाल्मीकि रामायण हो या राम चरित मानस, दोनों में मर्यादापुरुषोत्तम की महानता के विशद वर्णन के साथ उनके कुछ ऐसे प्रकरणों का भी उल्लेख है जबकि श्री राम क्रोधावेश में निमग्न हो जाते हैं। आइए जानते हैं उन विशेष प्रकरणों को जबकि भगवान श्री राम को अपना क्रोध प्रकट करना पडा:

सीता जी के स्वयंवर के लिए राजा जनक की प्रतीज्ञा थी कि ''जो कोई भी उनके दरबार में मौजूद भगवान शिव के धनुष को उठा कर उस पर तीर चढाएगा, उसी से सीता जी का विवाह होगा।'' श्री राम जब धनुष उठाकर उस पर तीर चढाने की कोशिश करते हैं तो धनुष टूट जाता है।

शिव भक्त परशुराम इससे बेहद क्रोध में आ जाते हैं तथा लक्ष्मण को चेतावनी देते हैं। तब मर्यादा पुरुषोत्तम भी क्रोधावेश में आकर अपने धनुष पर दिव्यास्त्र चढाते हैं।

ऐसे में परशुराम जी को श्री राम की वास्तविकता का भान होता है तथा वे स्वयं उन्हें शांत हो जाने के लिए मनाने लगते हैं। सीता जी को लंका से वापस लाने के लिए युद्ध करना आवश्यक था। रावण को लंका गए बिना पराजित कैसे किया जा सकता था। श्री राम ने इसके लिए समुद्र से अपनी लहरों को शांत कर देने का अनुरोध किया ताकि उस पर सेतु का निर्माण किया जा सके। जब तीन दिन तक की निरंतर प्रार्थना के बाद भी समुद्र शांत नहीं हुआ तब श्री राम ने ब्रहमास्त्र के द्वारा उसे सुखा देने का निश्चय किया।

उनके ऐसा निश्चय करते ही समुद्र देवता थर-थर कांपने लगते हैं तथा प्रभु श्री राम से शांत होने की प्रार्थना करते हैं। बालि वध कर श्री राम ने सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य दिला दिया। इसके एवज में सुग्रीव ने सीता जी के खोज अभियान में सहायता करने का वचन दिया। किंतु बहुत दिनों से भोग-विलास से च्युत सुग्रीव अचानक राज-पाट पाकर अपना वचन भूल बैठे।

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

वनवास काल में चित्रकूट प्रवास के दौरान इंद्र का पुत्र काकासुर सीता जी की गरिमा व मर्यादा से खिलवाड करने की कोशिश करता है। इस पर भगवान श्री राम ने क्रोधित होते हुए तृण को ही ब्रहमास्त्र के रूप में प्रयोग करने का निश्चय किया। काकासुर तीनों लोकों में अपनी रक्षा की गुहार लगाता है किंतु उसकी सहायता के लिए कोई आगे नहीं आता।

ऐसे में वह प्रभु श्रीराम के चरणों में लोट जाता है। ब्रहमास्त्र को निष्फल नहीं होने दिया जा सकता है। श्रीराम ने उसके प्राण तो बख्श दिए किंतु ब्रहमास्त्र से उसकी दाईं आंख पर प्रहार किया। इसीलिए मान्यतानुसार आज भी कौवे की दाईं आंख में दोष पाया जाता है।

प्रभु श्री राम जब भी क्रोधित हुए उसके पीछे कोई न कोई बहुत बडा कारण अवश्य रहा। मर्यादापुरुषोत्तम ने धर्म और कर्तव्य पालन के दौरान बाधा आने पर ही क्रोध प्रकट किया। इसका आशय यही है कि धर्म स्थापना व कर्तव्य पालन में आने वाली बाधा सर्वथा अस्वीकार्य है।

जानें, पुत्र प्राप्ति की हनुमान कथा

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है। आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य। हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे। यदि हो सके तो मंगलवार को पूर्ण रूप से मांसाहारी खाना और मादक पेय त्याग दे। हनुमान भक्त को श्री राम और माँ जानकी की भी पूजा करनी चाहिए। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए उसके बाद जनेऊ पहनानी चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए। इस तरह इन बातो का ध्यान और पालन करते हुए आप बालाजी महाराज की विशेष कृपा के पात्र बन सकते है। समर्पण और धैर्य ही उचित कुजी है हनुमान कृपा द्वार खोलने के लिए।

पुत्र प्राप्ति की हनुमान कहानी :

एक समय की बात है एक ब्राहमण पत्नी और पति थे । उनके कोई संतान नही थी इसी कारणवश वे दुखी थे । ब्राहमण हनुमान जी का परम भक्त था और अपनी हर प्रार्थना में संतान प्राप्ति की ही विनती करता था। दूसरी तरफ उसकी पत्नी भी बालाजी की परमभक्त थी , वह भी हर मंगलवार हनुमानजी का व्रत रखती थी और अपने सम्पूर्ण दिन को हनुमानजी की सेवा में लगा देती थी। एक मंगलवार ऐसा आया जब वो हनुमान जी भोग के लिए प्रसाद की व्यवस्था नहीं कर सकी उसे उस दिन बहूत दु:ख हुआ और उसने यह प्रण लिया की अब वो पुरे सप्ताह व्रत रखेगी सप्ताह भर भूखे पेट रहने से वो महिला बडी कमजोर हो गयी। भगवान श्री हनुमान अपने इस भक्त यह त्याग देख रहे थे। अब उनसे भी रहा ना गया और उन्होंने उस महिला को बालक के रूप में दर्शन दिए महिला उस बालक के चरणों में गिर गयी , वो समझ चुकी थी की वो बालक कोई और नहीं अपितु हनुमान ही है।

बालक हनुमान ने उन्हें आशीष रूप में एक पुत्र दिया जिसका नाम उस महिला ने मंगल रखा उसके बाद हनुमान जी अद्रश्य हो गये शाम को जब ब्राहमण घर आया तब उसने देखा की उनके घर के आँगन में कोई बालक खेल रहा है। ब्राहमण पत्नी ने अपनी आपबीती और हनुमान जी कृपा के बारे में ब्राहमण को बताया परन्तु उसके पति को उसपर तनिक विश्वास नहीं हुआ। वो उस बच्चे से नफरत करने लगा और मन ही मन उसे मारने के योजना बनाने लगा।

एक दिन उसने देखा की मंगल कुआं पर पानी खीचने जा रहा था। वो ब्राहमण उसके पीछे पीछे गया और मौका मिलते ही मंगल को धक्का देकर कुआ में धकेल दिया और फिर घर आ गया । लेकिन अब उसको खुद से नफरत होने लगी की उसने एक बालक को मौत के मुंह में छोड दिया। उसे खुद से इतनी ग्लानी हुई की वो अपनी पत्नी के सामने भी नहीं आ सकता था । इसी कारण उनसे घर छोडने का निर्णय लिया तभी मंगल उसके सामने आ गया।

ब्राहमण को अपनी आँखों पर यकीन नही हो पा रहा था । रात्रि में हनुमानजी ने ब्राहमण को सपने में दर्शन दिए और बोले की अपनी पत्नी की बात पर यकीन करो वो सत्य ही बोल रही है । तब ब्राहमण को महसूस हुआ की उसने गलती की है , उसने अपनी पत्नी से माफी मांगी और फिर वो ख़ुशी ख़ुशी अपने पुत्र मंगल के साथ रहने लग।

इस तरह हनुमान जी ने जेसे इस ब्राहमण जोडे को अपना आशीष दिया वेसे ही सभी भक्तो पर अपना आशीष रखे।

हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे।

यह व्रत रोग, शोक, भय, बाधा, शनि जन्य पीडा आदि से मुक्ति दिलाता है

शनिवार का व्रत करने से शनि और राहु की शांति होती है। शनि की शांति हेतु कम से कम 19 व्रत एवं राहु की शांति के लिए 18 व्रत किए जाते हैं। यह व्रत मनस्ताप, रोग, शोक, भय, बाधा आदि से मुक्ति एवं शनि जन्य पीडा के निवारण के लिए विशेष रूप से फलदायक होता है। शनिवार के दिन प्रात: स्नानादि करने के बाद काला तिल और लौंग मिश्रित जल पश्चिम दिशा की ओर मुख करके पीपल वृक्ष पर चढाएं। तत्पश्चात शिवोपासना या हनुमत आराधना और साथ ही शनि की लौह प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। फिर शनिवार व्रत कथा का पाठ करना चाहिए। उडद के बने पदार्थ बूढे ब्राहमण को देना चाहिए और स्वयं सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण करना चाहिए।

शनि चालीसा का पाठ सबसे सरल है। अत: यहां सर्वाधिक प्रचलित चालीसा प्रस्तुत की जा रही है। शनि चालीसा भी हनुमान चालीसा जैसे ही अति प्रभावशाली है। शनि ग्रह सभी ग्रहों में सबसे अनिष्टकारी खतरनाक ग्रह माने जाते हैं। शनि देव की नाराजगी से जातक का सर्वनाश हो जाता है। इनके अनिष्टकारी प्रभावों से मुक्त होने तथा शनि प्रभावित जातकों के समस्त कष्टों का हरण शनि चालीसा के पाठ द्वारा किया जा सकता है। किसी भी प्रकार का शनिकृत दोष, विवाह आदि में उत्पन्न बाधाएं इस शनि चालीसा की 21 पाठ प्रातिदिन लगातार 21 दिनों तक करने से दूर हो जाती हैं और जातक शांति सुख सौमनस्य को प्राप्त होता है।

ऐसे टालें घर पर आने वाली हर विपदा

फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्केरियम कहा जाता है।

यह सही है कि मछलियों को अठखेलियां करते देखने से मानसिक शांति मिलती है, वहीं फेंगशुई में कहा गया है कि मछली धन को आकर्षित करती है और आपदा अपने सर ले लेती है। फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्केरियम कहा जाता है। एक्केरियम सिर्फ मन को प्रसन्नता नहीं देते बल्कि फेंगशुई के अनुसार इनसे घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं एवं घर में धन-संपत्ति के आगमन में निरंतरता बनी रहती है। लेकिन फेंगशुई के कुछ नियम हैं जिनका पालन करते हुए एक्केरियम रखा जाए तभी इसका समुचित लाभ मिल पाता है। एक्केरियम में मछलियों की संया का विशेष महत्व है। फेंगशुई के अनुसार एक्केरियम में मछलियों की संख्या कम से कम नौ होनी चाहिए। आठ मछलियां लाल अथवा सुनहरे रंग की होनी चाहिए जबकि एक मछली काले रंग की। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों की संया नौ बतायी गयी है। संभव है कि इन्हीं कारणों से फेंगशुई में नौ मछलियां एक्केरियम में रखने की बात कही गयी है।

सुंदरता में बेजोड इतनी महंगी मछलियों को खरीदने और उन्हें पालने के शौकीन लोग भी हैं, जो मछलियों का व्यापार करने वालों के यहां महंगी मछलियों को लाने के लिए न सिर्फ पहले से आर्डर कर देते हैं। बल्कि ऐसी मछलियों के आते ही उन्हें खरीदने के लिए एक-दूसरे से बढकर बोली तक लगाते हैं। वे इसे शुभ मानते हैं। इसलिए इसे मंगाने के लिए बेताब रहते हैं। एक्केरियम में इठलाती सुंदर-सुंदर मछलियां बैंकॉक, सिंगापुर, चेन्नई, कोलकाता तथा चीन से मंगाई जाती हैं। जैसे सभी का अपना आशियाना होता है। वैसा ही छोटा सा प्यारा सा मछलियों का आशियाना एक्केरियम होता है, जो एक हजार की लागत से लेकर लाखों तक में बनाया जाता है। इसमें एयरमशीन, फिल्टर व हीटर लगाया जाता है, जिसके माध्यम से इन मछलियों को ज्यादा समय तक रखा जा सकता है।

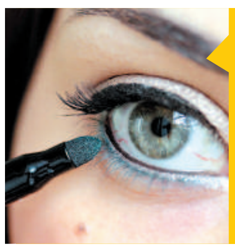

रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लैश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।

क्या है गोलगप्पे की असलियत?

गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।

गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या

जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

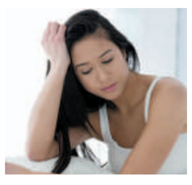

जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नही हैं।

मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।

एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है।

हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के

विदेशी भाषा में खास कैरियर

हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।

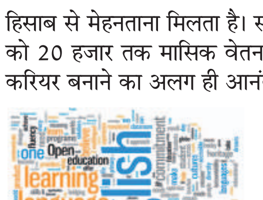

डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल हैं, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।

रेसिपी

मुह्हामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए:** 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

भागवत का 'डीएनए' संदेश

सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क (अमरीका) में जो संबोधन दिया है, वह उनकी सोच की पुनरावृत्ति ही है, लेकिन संदेश अमरीकी जमीन से दिया गया है, लिहाजा उसकी गूंज 'वैश्विक' है। मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना की है। उसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं। बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। संबोधन को संघ-प्रमुख का 'वैचारिक दोगलापन' करार दे रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। सरसंघचालक ने ऐसा संबोधन पहली बार नहीं दिया है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया था कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना बंद करें। उसका जबरदस्त असर हुआ और ऐसी सांप्रदायिक कवायदें बहुत कम हो गईं। 'काशी, मथुरा' संघ परिवार और भाजपा के सनातन मुद्दे हैं और कहा जाता रहा है कि अदालत का जो फैसला होगा, वह मान्य होगा। दरअसल सरसंघचालक भागवत अपनी सोच और वैचारिकता में बिल्कुल स्पष्ट हैं, लिहाजा वह हिंदू-मुस्लिम के एकत्व वाले राष्ट्र की कल्पना करते रहे हैं, लेकिन अहम सवाल यह है कि संघ-प्रमुख किन्हें संबोधित करते रहे हैं? संघ के प्रचारक रहे और अब देश के प्रधानमंत्री मोदी खुद 'कपड़ों से पहचानने', 'दाढ़ी-टोपी वाले', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'आपका मंगल-सूत्र छीनने वाले' आदि सार्वजनिक टिप्पणियां कर मुसलमानों पर आघात करते रहे हैं। भाजपा में एक बड़ी जमात है, जो सार्वजनिक रूप से मुस्लिम-विरोधी है, कट्टर विरोधी है। कांवड़-यात्रा निकलती है, तो मुसलमानों को पहचान छिपानी पड़ती है। उनकी दुकानों, रेहड़ियों और उनके ढाबों पर अनावश्यक, अनधिकृत जांच के छापे मारे जाते हैं। सर्वोच्च अदालत तक इनके खिलाफ फैसला सुना चुकी है। देश में 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (एनआरसी) का अभियान असम से चलाया गया, लेकिन प्राथमिक जांच में ही 'हिंदू' या 'बंगाली हिंदू' बहुसंख्यक पाए गए। अभियान पर ढक्कन लगा दिया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब भी एनआरसी के अभियान पर आमादा हैं। हालांकि संघ-प्रमुख के संबोधन के बाद खासकर भाजपा में 'गहरी खामोशी' है, अलबत्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद निशिकांत दुबे जैसों की भरपूर जमात है, जो बात-बात पर, औसत मुद्दों और विवाद पर, मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की धमकी देते रहे हैं। जिन्हें पाकिस्तान जाना था, वे चले गए, 80 लंबे साल भी बीत गए, पीढ़ियां बदल गईं, अब मुसलमान भी भारतीय हैं। हिंदू-मुसलमान की नारेबाजी, नफरत, जारी रहेगी, तो देश में एकता, एकत्व का डीएनए अथवा सांस्कृतिक एकात्मवाद की स्थितियां कैसे संभव होंगी? विरोधी भी अपनी पूर्वाग्रही मानसिकता बदलें। महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का आरएसएस से कोई संबंध नहीं था। कांग्रेस, सपा के कथित प्रवक्ता टीवी बहसों में हररोज यह आरोप चिल्लाते रहते हैं। द्वितीय सरसंघचालक गुरु गोलवलकर की किताब 'बंच ऑफ थॉट्स' फरवरी, 1966 में छपी थी। वह किताब देश का संविधान या पवित्र धर्म-ग्रंथ नहीं है। गुरु जी के भाषणों, आलेखों, निबंधों, संवादों का संकलन है। हमारा दावा है कि विरोधियों ने यह किताब पूरी तरह पढ़ी भी नहीं होगी। यह आज प्रासंगिक भी नहीं है। उसका लगातार, हररोज जिक्र होता रहेगा, तो फासले और भी गहरे होंगे।

मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना की है। उसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं। बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। संबोधन को संघ-प्रमुख का 'वैचारिक दोगलापन' करार दे रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्र वाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। सरसंघचालक ने ऐसा संबोधन पहली बार नहीं दिया है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं।

ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 .8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6 .5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं।

केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ओफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को

साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं। नए एक्स्प्रेस वे ने माल ढुलाई का समय घटाया। लागत को कम किया और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया। 86,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात इस सफलता की कहानी को दर्शाता है। निर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्षम, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा के क्षेत्र में भी उत्पादन एवं निर्यात तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए अन्य देशों की ओर देखता था आज वह फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाईल का निर्यात कर रहा है। कई अफ्रीकी देशों को मेड इन इंडिया हेलिकोप्टर निर्यात कर रहा है। अब देश की कुल जरूरत का लगभा 65 प्रतिशत रक्षा उत्पाद देश में ही निर्मित हो रहा हैं।

देश दुनिया से

तकनीकी हमलों से क्रुद्ध हिमालय

औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तकनीकी दंभ का प्रादुर्भाव हुआ है, उसके आलोक में वैज्ञानिकता के नाम पर प्रकृति से आधुनिक मानव युद्धरत है। ऊर्जा की अत्यधिक भूख ने ऊर्जा उत्पादन के ऐसे तरीकों पर निर्भरता बढ़ा दी है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि करके जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में वैश्विक स्तर पर तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ चुका है। अभी भी हम लगभग उसी रास्ते पर दौड़ रहे हैं। हिमालय का क्रोध केवल भारतवर्ष के कारण नहीं है, यह तो सारी दुनिया, विशेषकर विकसित देशों का किया धरा है, किन्तु बाकी सभी देश भी तो उन्हीं विकसित देशों की विकास पद्धति का ही अनुकरण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन में योगदान करके प्रकृति के संतुलन को नष्ट करने में लगे हुए हैं। प्रकृति बार बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बर्फीले तूफानों से समझ रहे हैं, न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है, न ही अपने लालच के चलते प्रकृति को पहुंचाए जा रहे नुकसान के बारे में पुनर्विचार करने की ओर मुड़ रहा है। गेंद एक दूसरे के पाले में धकेला जा रहा है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयासों से अमरीका जैसे भारी प्रदूषणकारी देश बाहर निकल चुके हैं। चीन और भारत हिमालय में बड़े से बड़े बांधों के निर्माण में डटे हुए हैं, जिससे होने वाली तोडफ़ोड़ और मीथेन उत्सर्जन से हिमालय में वैश्विक तापमान में वृद्धि की औसत से, ज्यादा वृद्धि हुई है। नतीजा हम ही भुगत रहे हैं। कभी पारछु की बाढ़ में सतलुज पणढल में तो कभी थुनाह्ग जंजैहली में। कभी धराली में तो कभी केदारनाथ में। हम जानते तो सब कुछ हैं, पर समझेंगे नहीं क्योंकि हम वैज्ञानिक युग के अहंकारपूर्ण शक्तिशाली देश हैं। प्रकृति की ताकत के आगे बार-बार शर्मिंदा होने के बाद भी हम प्राकृतिक आपदा कह कर मामले को टाल देते हैं, जबकि हमें इन्हें मानव निर्मित प्राकृतिक आपदा कहना चाहिए ताकि हमें अपने गैरजिम्मेदार कारनामों की याद आती रहे जिससे शायद जागने में मदद मिले। वर्तमान नेपाल त्रासदी ने जिस तरह हजारों बेशकीमती जाने काल-कलवित की हैं वह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। भारत की स्थिति भी इस विषय में अच्छी नहीं है। हिमाचल से लेकर अरुणाचल तक कई जोखिमपूर्ण ग्लेशियर झीलें विद्यमान हैं। हिमाचल में लाहुल घाटी की घेपांग घाट ग्लेशियर झील सहित 48 ऐसी झीलें हैं। उत्तराखंड में 13, लद्दाख में 35, सिक्किम में 40, अरुणाचल में 28 उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। सिक्किम भी 2023 में दक्षिणी ल्होनाक ग्लेशियर झील के फटने से भारी त्रासदी झेल चुका है। वर्तमान विकास गतिविधियां हिमालय में जान-माल के लिए खतरा बढ़ा रही हैं। जब जिन्दा ही नहीं रहेंगे तो उस विकास का क्या करेंगे? एक ओर बड़े बड़े देश युद्धों में उलझे हुए हैं। युद्ध भी जितना वायु प्रदूषण फैला रहे हैं वह भी जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बन रहे हैं। आतंकवाद और युद्ध दोनों से ही बचने की जरूरत है। बातचीत से समस्याएं हल हो सकती हैं। युद्ध के बाद भी तो बातचीत ही करनी पड़ती है। सांप्रदायिक घृणा जनित आतंकवाद से भी तौबा की जानी चाहिए। कोई संप्रदाय मृत्यु उपरांत नरक में जाता है या स्वर्ग में, इस बात की चिंता किसी को करने की क्या जरूरत है। जो जाएगा वह खुद देख लेगा। फिजूल की आत्मप्रशंसा जनित झगड़ों से ऊपर उठना जरूरी हो गया है, क्योंकि वर्तमान युद्ध और जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण विध्वंसकारक होते जा रहे हैं। भारतवर्ष में पर्यावरणीय आंदोलन 1980 के दशक से ही वैकल्पिक विकास नीति विशेषकर हिमालय क्षेत्रों के लिए बनाने की बात कर रहे हैं। चिपको आन्दोलन से लेकर हिमालय नीति अभियान, हिमालय क्षेत्र में पर्वत विशिष्ट परिशितिकीय दृष्टि से निरापद विकास नीति के लिए आवाज उठा रहे हैं। 1992 में योजना आयोग ने डा. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसने हिमालय में विकास के लिए कुछ दिशा निर्देश तय किए थे, जिनमें हिमालय में करणीय और नहीं करने योग्य गतिविधियों के सुझाव दिए गए थे। और इसके लिए व्यवस्थागत सुझाव भी दिए गए थे, किन्तु बात आगे नहीं बढ़ पाई। उसके बाद कितने ही नए अनुभव संचित हो चुके हैं जिन पर आधारित सावधानियां और दिशाएं तय की जा सकती हैं। हमें आशा करनी चाहिए कि जब जागे तभी सवेरा वाली कहावत पर विश्वास करते हुए पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में आगे बढने का प्रयास शुरू करेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर चीन और अमरीका जैसे अत्यधिक हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन करने वाले देशों को भी पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में गंभीर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना वांछित है। राष्ट्रपति ट्रम्प के आने के बाद अमरीका का जलवायु परिवर्तन रोकने वाली वैश्विक संधियों से बाहर हो जाना चिंता योग्य है। स्वयं सही विकास नीति बना कर वैश्विक स्तर पर दबाव समूह को सशक्त करने की दिशा में भारत महती योगदान कर सकता है।

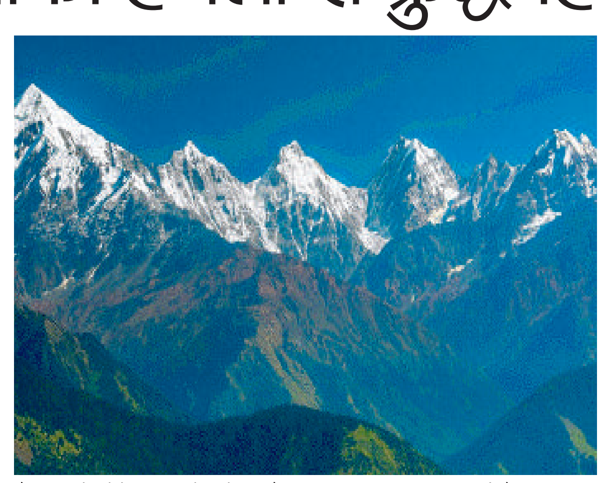

आप का नज़रिया

पहाड़ी जीवन के खतरे

कृत्रिम बांधों और ग्लेशियरों के खतरे तमाम हिमालयी राज्यों में मंडरा रहे हैं, तो नेपाल की घटना ने हिमाचल को भी सचेत किया है। प्रदेश के बांधों में एक चौथाई गाद का ठहरना जलक्षमता के भंडारण पर असर डाल रहा है, तो सडक़ मार्गों में सुरंगों के अलावा जल परियोजनाओं में सुरंगों के जरिए पानी को ले जाने का प्रबंध किया गया है। जाहिर तौर पर पर्वतीय आंचल में विकास के मायने तेजी से बदले हैं और मानवीय जरूरतों के कारण निर्माण के मानदंड भी औपचारिकता ही निभा रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बांधों में जमती गाद को प्रमुख दुश्मन मानते हुए इसे हर तरह से हानिकारक माना है। प्रदेश की जल वितरण प्रणाली और विद्युत आपूर्ति का खाका भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों को नजरअंदाज कर रहा है। हिमाचल के शहरी इलाकों पर बढ़ता आबादी का घनत्व आधारभूत सुविधाओं के जोखिम बढ़ा रहा है। हर वर्ष नदी-नालों के करीब बस्तियों पर डाका डालती प्रकृति की नजर को न समझे, तो रामपुर के आसपास, सडक़ों के किनारे उठती इमारतों या मैदानी इलाकों में जल भराव के सामने दयनीय स्थिति के कोप भाजक बन जाएंगे। बरसात में बांधों से पानी छोडऩे का गुनाह कई बार नूरपुर के इलाकों को पस्त कर चुका है, तो हर साल ऊना में रुकने वाले पानी से जल प्रबंधन के नई योजनाएं सामने नहीं आई हैं। यह सब इसलिए भी कि हिमाचल में ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत जल निकासी की दिशा में कोई नया प्रयोग नहीं किया। हिमाचल की पारंपरिक नदियों के जल बहाव को हम केवल बरसाती पानी या बाढ़ के दौरान ही देखते हैं, जबकि सबसे बड़ा अध्ययन नदियों के बेसिन्स पर होने चाहिएं। हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर तीव्रता से पिघल कर नई झीलों को जन्म दे रहे हैं। सौ के करीब ऐसी संवेदनशील झीलें बन चुकी हैं, जो अपने आकार और पानी के दबाव के कारण विस्फोटक क्षमता रखती हैं। हिमाचल की सभी नदियों के स्रोत पहले भी पाराछू झील की तरह खतरे पैदा कर चुके हैं। सतलुज नदी के तटीय क्षेत्रों में भूगर्भीय हलचल ने बार-बार खतरे चिन्हित किए हैं, तो बाकी नदियां भी बाढ़ के संकेतों के साथ जल प्रलय का नासूर लेकर चलती हैं। ऐसे में नेपाल की घटना ने हिमालयी राज्यों की नीतियों में खास तवज्जो देने की नसीहत दी है। कायदे से भारतीय संदर्भों में हिमालयी राज्यों के न तो जलाधिकार सुनिश्चित हुए हैं और न ही जल आबंटन के राष्ट्रीय मानक किसी सर्वमान्य आधार पर पुष्ट हुए हैं। हम फसल की प्रतीक्षा में मानसूनी बादलों का हिसाब करते हैं, लेकिन बांधों के जलस्तर से ऊपर पिघलते ग्लेशियरों के नाज नहीं देखते। पानी के सारे खतरे पहाड़ी जीवन के आसपास छोड़ दिए जाते जबकि इसकी राष्ट्रीय विवेचना जरूरी है। देश की अनेकों नदियां उन परिस्थितियों से निकलती हैं, जिनके मध्य भोटेकोशी या त्रिशुली नदी को भयावह आचरण ओढऩे की तोहमत मिली है। केंद्र सरकार द्वारा जल प्रबंधन के नीतिगत फैसले तथा जल सिंचाई की परियोजनाएं मैदानी इलाकों की राजनीति को तृप्त करती हैं, जबकि असली चुनौती छोटी-बड़ी हजार के करीब झीलों तथा नदियों के तटीय आवरण में मानवीय गतिविधियों से है। हिमालयी क्षेत्र के कैचमेंट क्षेत्रों में विस्तृत अध्ययन, चौकसी, अलर्ट सिस्टम के अलावा नदी-नालों का तटीकरण जरूरी हो जाता है। इन खतरों की चुनौतियों से रू-ब-रू हिमालयी क्षेत्रों के लिए केंद्र में स्वतंत्र विभाग तथा मंत्रालय का सृजन करना होगा।

प्रदेश के बांधों में एक चौथाई गाद का ठहरना जलक्षमता के भंडारण पर असर डाल रहा है, तो सडक़ मार्गों में सुरंगों के अलावा जल परियोजनाओं में सुरंगों के जरिए पानी को ले जाने का प्रबंध किया गया है। जाहिर तौर पर पर्वतीय आंचल में विकास के मायने तेजी से बदले हैं और मानवीय जरूरतों के कारण निर्माण के मानदंड भी औपचारिकता ही निभा रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बांधों में जमती गाद को प्रमुख दुश्मन मानते हुए इसे हर तरह से हानिकारक माना है। प्रदेश की जल वितरण प्रणाली और विद्युत आपूर्ति का खाका भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों को नजरअंदाज कर रहा है। हिमाचल के शहरी इलाकों पर बढ़ता आबादी का घनत्व आधारभूत सुविधाओं के जोखिम बढ़ा रहा है। हर वर्ष नदी-नालों के करीब बस्तियों पर डाका डालती प्रकृति की नजर को न समझे, तो रामपुर के आसपास, सडक़ों के किनारे उठती इमारतों या मैदानी इलाकों में जल भराव के सामने दयनीय स्थिति के कोप भाजक बन जाएंगे। बरसात में बांधों से पानी छोडऩे का गुनाह कई बार नूरपुर के इलाकों को पस्त कर चुका है, तो हर साल ऊना में रुकने वाले पानी से जल प्रबंधन के नई योजनाएं सामने नहीं आई हैं। यह सब इसलिए भी कि हिमाचल में ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत जल निकासी की दिशा में कोई नया प्रयोग नहीं किया। हिमाचल की पारंपरिक नदियों के जल बहाव को हम केवल बरसाती पानी या बाढ़ के दौरान ही देखते हैं, जबकि सबसे बड़ा अध्ययन नदियों के बेसिन्स पर होने चाहिएं। हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर तीव्रता से पिघल कर नई झीलों को जन्म दे रहे हैं। सौ के करीब ऐसी संवेदनशील झीलें बन चुकी हैं, जो अपने आकार और पानी के दबाव के कारण विस्फोटक क्षमता रखती हैं।

कुछ अलग

मनुष्य की खोज

एक कोने में चुपचाप खड़ा काल हौले-हौले मुस्करा रहा था। उसे दिखाई दे रहा था कि यह प्रश्न केवल वृक्ष से नहीं पूछा गया है। कल यह प्रश्न नदियों से पूछा जाएगा। फिर पहाड़ों से। जंगलों से। समुद्रों से। अपने साथी मनुष्यों से। और अंततः...स्वयं मनुष्य भी एक दिन स्वयं से यही पूछेगा, 'मेरा उपयोग क्या है?' प्रकृति ने उस दिन कोई उत्तर नहीं दिया। क्योंकि कुछ प्रश्नों के उत्तर शब्द नहीं देते, उनका उत्तर समय देता है। वह काल, जिसे सभी जीतने का भ्रम पाले रहते हैं। काल ने अपनी अदृश्य पुस्तक खोली और पहली बार मनुष्य के नाम के सामने एक टिप्पणी लिखी, 'जिज्ञासा जब तक विनम्र रहती है, ज्ञान के द्वार खोलती है, और जब लाभ की भाषा सीख लेती है, तब संसार को संबंध नहीं, संसाधन मानने लगती है।' उस दिन किसी को कुछ असाधारण नहीं लगा। केवल इतिहास ने चुपचाप अपने पन्ने का एक कोना मोड़ लिया। उसे मालूम था- आज प्रश्न छोटा दिखता है, कल पूरी सभ्यता इसी का उत्तर लिखेगी।

दृष्टि कोण

ग्लोबल कंपनियां और भारतीय फर्में

लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, बल्कि भविष्य के लिए एक रोडमैप भी पेश किया और उन क्षेत्रों पर जोर दिया, जहां भारत को अपनी कोशिशें तेज करने की जरूरत है। इस संदर्भ में, उन्होंने भारतीय बैंकों और दवा कंपनियों से अपने-अपने क्षेत्रों में दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में जगह बनाने का आह्वान किया। उन्होंने रेटिंग, कानून, अकाउंटिंग और कंसल्टिंग के क्षेत्रों में भारतीय फर्मों के खुद को स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि भारत के पास इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जरूरी टैलेंट और क्षमता दोनों मौजूद हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री ने रेटिंग, कंसल्टिंग, कानूनी और अकाउंटिंग क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की जरूरत पर जोर दिया है। इससे पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने ये बातें उठाई हैं। एक ओर अंतरराष्ट्रीय कंसल्टिंग फर्में भारतीय सरकार को सलाह देती हैं और राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करती हैं, लेकिन साथ ही वे बड़ी ग्लोबल कंपनियों की भी सलाहकार होती हैं। नतीजतन, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भारतीय सरकार को सलाह देते समय वे मल्टीनेशनल कंपनियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देंगी। ग्लोबल कंसल्टिंग फर्मों के साथ काम करते समय भविष्य की योजनाओं की गोपनीयता और संबंधित डेटा की सुरक्षा भी चिंता का विषय है। इसलिए योजनाओं और डेटा के लीक होने का जोखिम उठाए बिना भारत के भीतर

सही नीतियां बनाने के लिए घरेलू कंसल्टिंग फर्में स्थापित करना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में ईमानदार सेवाओं की वैश्विक मांग भी है। अगर भारतीय कंपनियां अपनी विशेषज्ञता बढ़ाती हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवाएं देती हैं, तो देश काफी विदेशी मुद्रा कमा सकता है। जाहिर है, इस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के आने से न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि यह विदेशी मुद्रा कमाने का एक बड़ा माध्यम भी बन सकती हैं। साथ ही ग्लोबल साजिशों का शिकार होने से भी बचा जा सकेगा। यह समझना जरूरी है कि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर दुनिया की प्रमुख कंसल्टिंग, रेटिंग, अकाउंटिंग और लॉ फर्मों के साथ काम करते हैं, चाहे वे भारत में काम करती हों या दुनिया में कहीं और, और कई कंपनियों में तो वे उनके सीईओ के तौर पर भी काम कर रहे हैं। भारत के बेहतरीन संस्थानों से पढ़े-लिखे और अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले हमारे प्रोफेशनल्स किसी से कम नहीं हैं। ठीक इसीलिए प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि इस मामले में देश में टैलेंट या काबिलियत की कोई कमी नहीं है। तो, ऐसा क्यों है कि इन सेक्टरों में भारत की कोई बड़ी कंपनियां नहीं हैं? इसे समझने के लिए हमें अपने इतिहास को देखना होगा। आजादी के बाद, हमारी आर्थिक नीतियां समाजवादी विचारधारा की ओर झुकी हुई थीं। उस समय नीति-निर्माताओं का मानना था कि निजी क्षेत्र के पास जरूरी आर्थिक ताकत, टेक्नोलॉजी और जोखिम उठाने की क्षमता या सोच की कमी है। इसलिए आर्थिक विकास की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। ऐसे हालात में, आर्थिक नीति में निजी क्षेत्र को दूसरे दर्जे पर रखा गया। ऐसे माहौल में, कोई सोच भी कैसे सकता था कि कोई भारतीय लॉ फर्म, रेटिंग एजेंसी या कंसल्टिंग और अकाउंटिंग कंपनी ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाएगी और दुनिया भर में अपना नाम कमाएगी। 1991 के बाद अपनाई गई भूमंडलीकरण, उदारीकरण और निजीकरण (एलपीजी) की नीतियों के तहत भी ग्लोबलाइजेशन का ही बोलबाला रहा।

कभी शूटिंग के बारे में नहीं जानती थीं मनीषा, अब एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने का है सपना

नई दिल्ली

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली-बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मनीषा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) के हवाले से कहा, मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वालीबाल और फुटबाल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।

मनीषा की बड़ी बहन सोना खुद भी खिलाड़ी थीं और उन्होंने ही मनीषा को शूटिंग की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, खेल से जुड़ना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने के कारण उन्हें अपने खेल के लिए कई तरह के समझौते करने पड़े।

उन्होंने कहा, मेरा परिवार मुझे उस तरह से सहयोग करने में सक्षम नहीं था। वे मुझे वह सब कुछ नहीं दे सकते थे जो मैं चाहती थी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।

शूटिंग महंगा खेल है और प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा के दौरान मनीषा को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। महज 18 साल की उम्र में उन्हें अपने खर्चों को लेकर कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़ते थे।

मनीषा ने बताया, जब मैं प्रतियोगिताओं के लिए बाहर जाती थी तो मुझे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। मैं अपनी पसंद का खाना नहीं खा पाती थी और मुझे कुछ पैसे बचाने पड़ते थे।

मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में शुरुआती दिनों में भी परिस्थितियां आसान नहीं थीं। नियमित कोच उपलब्ध नहीं होने के बावजूद मनीषा ने उपलब्ध संसाधनों में ही सीखना जारी रखा। उनकी बहन ने भी इस दौरान उनका मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा, अकादमी में जो भी सुविधाएं थीं, वे हमारे लिए पर्याप्त थीं। मेरा मानना है कि आपके पास जो है, आपको उसी के साथ आगे बढ़ना होता है।

यही सोच आगे चलकर मनीषा की पहचान बनी। उन्होंने सुविधाओं की कमी पर ध्यान देने के बजाय उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल किया और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

मनीषा ने 2018 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में ट्रैप स्पर्धा का रजत पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने एशियन गेम्स में भारतीय महिला ट्रैप टीम के साथ रजत पदक भी हासिल किया।

हालांकि, मनीषा के लिए उनकी यात्रा केवल पदकों तक सीमित नहीं रही। शुरुआती संघर्षों ने उन्हें आत्मनिर्भरता और मानसिक मजबूती भी सिखाई।

उन्होंने कहा, कोई भी हमेशा हमारे साथ नहीं रह सकता। हमें खुद का भी ध्यान रखना होता है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड में काउंटी खेलने पहुंचे तेज गेंदबाज आकिब नबी

लंदन। जम्मू-कश्मीर के उभरते हुए तेज गेंदबाज आकिब नबी अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते

दिखेंगे। आकिब का लक्ष्य काउंटी में बेहतर प्रदर्शन कर अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करना है। इसी कारण वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन में खेलने यहां आये हैं। काउंटी में अकीब को तेज और उछाल भरी पिचों पर अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा । आकिब को हाल में हुए श्रीलंका दोरे में चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। अकीब हो हालांकि इस दौरे से शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने क अनुभव मिला था। अब उन्हें इंग्लैंड के कठिन हालातों में खेलने के अनुभव से अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आकिब ने सरे काउंटी क्लब के साथ तीन मैचों के लिए करार किया है। सरे को भी एक स्विंग गेंदबाज की तलाश थी और आकिब की क्षमताएं उन्हें सही लगीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आकिब यार्कशर के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। यार्कशर के खिलाफ 2 से 5 सितंबर तक होने वाले मुकाबले के बाद, सरे को 8 से 11 सितंबर तक ससेक्स और फिर 15 से 18 सितंबर तक ग्लेमोर्गन का सामना करना है। इसन मैचें से उनके लिए अपनी फार्म और फिटनेस को जांचने का अवसर भी मिल जाएगा।

पांड्या नये लुक में दिखे, टीम में वापसी की संभावनाएं बढ़ीं

मुम्बई। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी

आलराउंडर हार्दिक पांड्या अब एक नये लुक में दिखे हैं। आमतौर पर स्टाइलिश हेयरकट और दाढ़ी में नजर आने वाले हार्दिक इस बार क्लीन शेव दिखे। जिसने उनके प्रशंसक हैरान रह गये। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब से गुजर रहे पांड्या की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। इस तस्वीरों में पांड्या के सिर पर बाल और चेहरे पर दाढ़ी नजर नहीं आ रही है पर मूंछें बरकरार हैं। ये अंदाज उनके पहले के सभी लुक्स से काफी अलग है, क्योंकि हार्दिक अक्सर अपने हेयरस्टाइल और हेयर कलर के साथ नये-नये प्रयोग करते रहे हैं। यह नया अंदाज उन्होंने कब अपनाया, यह तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल ही में उन्हें बेंगलुरु में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मैच उनका ये अंदाज दिखा। देखते ही देखते उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गईं और प्रशंसा उनके इस नए रूप पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। गौरतलब है कि हार्दिक ने भारतीय टीम के लिए अपना पिछला मुकाबला बीते टी20 विश्व कप में खेला था। इसके बाद से ही वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आए थे हालांकि टूर्नामेंट के बीच में उन्हें कुछ शारीरिक दिक्कतें हुईं, जिसके कारण वह बीच में ही लीग से बाहर हो गए और फिर वापस नहीं लौट सके। तभी से वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के केन्द्र सीओई में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

यूएस ओपन 2026: कार्लोस अल्कराज ने दूसरे दौर में बनाई जगह, साफिलिन को सीधे सेटों में हराया

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करते हुए यूएस ओपन

के दूसरे दौर में जगह बना ली। स्पेन के अल्कराज ने हले दौर में रूस के रोमन साफिलिन को लगातार तीन सेटों में 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। अल्कराज अप्रैल में कलाई की चोट के बाद पहली बार एकल मुकाबले में कोर्ट पर उतरे थे। पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी मुकाबले से दूर रहने के बावजूद उन्होंने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और साफिलिन को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मेरे लिए ये पांच महीने काफी मुश्किल रहे। मुझे इसकी कमी महसूस हुई। मुझे दर्शकों, माहौल, ऊर्जा और प्रतियोगिता की कमी महसूस हुई। मुझे हर चीज की कमी महसूस हुई। उन्होंने आगे कहा, मैं बेहद खुश हूं कि दोबारा प्रतिस्पर्धा करने में सफल रहा। मुझे यकीन है कि आने वाले मुकाबलों में मेरे टेनिस का स्तर और बेहतर होगा। पहले मैच में अपने प्रदर्शन से मैं काफी खुश हूं। जैनिक सिनर के चोटिल होने और नोवाक जोकोविच के पहले दौर में बाहर होने के बाद अल्कराज के खिताब बचाने की संभावनाएं और मजबूत मानी जा रही हैं। दूसरे दौर में उनका सामना पुर्तगाल के जैमे फारिया से होगा। त्सित्सिपास ने शीर्ष-10 खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराया एक और शीर्ष-10 खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गया। सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतकर यूएस ओपन पहुंचे आर्थर फिल्स को ग्रीस के स्टेफानोस त्सित्सिपास ने 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। इस बार फ्लशिंग मेडोज में गैरवरीय त्सित्सिपास ने जीत के बाद भरोसा जताया कि वह फिर से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच सकते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

संजू सैमसन की वापसी, रिंकू सिंह समेत 8 खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच 13 सितंबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। श्रेयस अय्यर को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

टीम में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल किया गया है। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे के बाद कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, उनके सीरीज में खेलने को फिटनेस टेस्ट पास करने से जोड़ा गया है। फिटनेस टेस्ट में सफल होने के बाद ही उनके मैदान पर उतरने की संभावना है।

संजू सैमसन की टीम में शानदार वापसी

जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 टीम से बाहर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की भारतीय टीम में वापसी हो गई है। संजू टी20 विश्व कप में भारत की जीत के हीरो रहे थे। हालांकि, आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती मैचों

13 सितंबर से दिल्ली में शुरू होगी भारत-अफगानिस्तान की तीन मैचों की टी20 सीरीज

में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया था।

उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था, लेकिन वह भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर सके। इसके बाद अंतिम मैच में संजू सैमसन को खेलने का मौका मिला था। जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोला और वह प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने। शानदार प्रदर्शन को देखते हुए वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

रिंकू सिंह समेत 8 खिलाड़ी टीम से बाहर

जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू सिंह को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। उनके अलावा प्रिंस यादव, अशोक शर्मा, मयंक यादव, सुर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रभसिमरन सिंह और हर्ष दुबे को भी टीम से बाहर कर दिया गया है।

जिम्बाब्वे दौरे पर यश ठाकुर और अशोक शर्मा ने भारत के लिए पदार्पण भी किया था। वहीं, प्रिंस यादव जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोटिल हो गए थे।

श्रेयस अय्यर के हाथों में कप्तानी, तिलक वर्मा उपकप्तान

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन देखने को मिल रहा है।

अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा।

यूएस ओपन 2026: इगा स्वियातेक ने वांग शियू को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

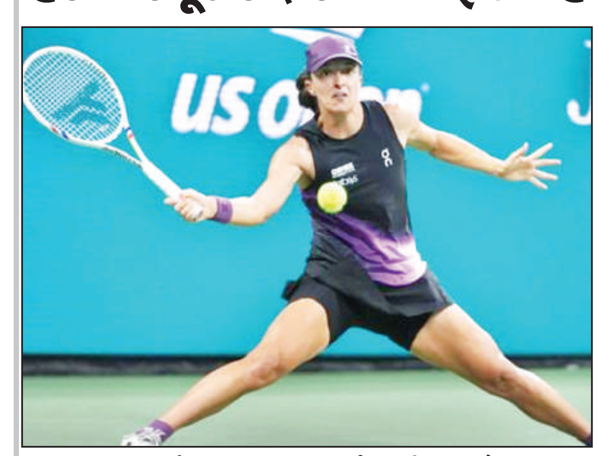

न्यूयार्क

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने यूएस ओपन 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 2022 की चैंपियन स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

स्वियातेक ने आर्थर ऐश स्टेडियम के बजाय लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 88 मिनट में जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 3-1 की बढ़त हासिल करने के बाद एक और सर्विस ब्रेक के साथ सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी स्वियातेक ने दबाव बनाए रखा। आठवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल करने के बाद उन्होंने मुकाबला समाप्त कर दिया।

मैच के बाद स्वियातेक ने कहा, निश्चित रूप से यह मेरे लिए अच्छा दिन रहा। शुरुआत से ही मुझे काफी अच्छा महसूस हो रहा था। मेरे अंदर ऊर्जा और तीव्रता थी और मैं इसे आगे भी बनाए रखना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि वांग के गहरे और काफी टापस्पिन वाले शाट्स का सामना करने के लिए उन्हें अपनी ताकत का इस्तेमाल करना पड़ा।

स्वियातेक इस समय शानदार फार्म में हैं। उन्होंने हाल ही में टोरंटो ओपन का खिताब जीता था और सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। अब उनकी नजर अपने सातवें ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। स्वियातेक ने कहा, कुछ अच्छे परिणामों के बाद ग्रैंड स्लैम में आना अच्छा है। मैंने इस चरण में काफी सुधार किया है और अब अपने खेल की छोटी-छोटी कमियों को बेहतर करने पर ध्यान दे रही हूं। दूसरे दौर में स्वियातेक का सामना नादिया पोडोरोस्का से होगा, जिन्होंने इससे पहले सिमोना वाल्टर्ट को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

अनिसिमोवा भी दूसरे दौर में

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने भी आसान जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने हमवतन एशलिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से हराया। अब अनिसिमोवा का सामना आस्ट्रिया की लिली टैगर से होगा।

तेलंगाना गोलकुंडा मास्टर्स में ध्रुव श्योराण और विशेष शर्मा संयुक्त बढ़त पर

दोनों ने कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए बनाए 10-अंडर 60, अमरदीप मलिक एक शॉट पीछे

हैदराबाद । एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकुंडा मास्टर्स 2026 के शुरुआती राउंड में ध्रुव श्योराण और स्थानीय दावेदार विशेष शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10-अंडर 60 का समान स्कोर बनाया और संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। दोनों खिलाड़ियों ने कोर्स रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में खेले जा रहे टूर्नामेंट के 12वें संस्करण के पहले राउंड के बाद दोनों खिलाड़ी दूसरे स्थान पर चल रहे खिलाड़ियों से एक शॉट आगे हैं।

गुरुग्राम के 31 वर्षीय ध्रुव श्योराण ने 11 बर्डी और एकमात्र बोगी की मदद से अपने करियर का सबसे कम स्कोर बनाया। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर 2024 में जीत दर्ज कर चुके श्योराण ने सप्ताह की शुरुआत 2026 रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में 12वें स्थान से की।

पार-5 10वें होल से शुरुआत करने वाले श्योराण ने 10वें से 14वें होल तक लगातार पांच बर्डी बनाईं। इसके बाद पार-4 15वें होल पर उनकी दिन की एकमात्र बोगी हुई, लेकिन उन्होंने तुरंत शानदार वापसी करते हुए बाकी राउंड में कोई और शॉट नहीं गंवाया।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर अपना दूसरा सत्र खेल रहे हैदराबाद के 19 वर्षीय विशेष शर्मा ने दोपहर के सत्र में श्योराण के स्कोर की बराबरी की। उनके 10-अंडर 60 के राउंड में पार-5 छठे होल पर एक ईगल, नौ बर्डी और एक बोगी शामिल रही।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर दो बार के विजेता नोएडा के अमरदीप मलिक ने नौ-अंडर 61 का स्कोर बनाकर अकेले तीसरे स्थान पर कब्जा किया। वह संयुक्त नेताओं से केवल एक शॉट पीछे हैं। 41 वर्षीय मलिक ने अपने राउंड में 10 बर्डी और एक बोगी की।

जापान के कोइचिरो इशिका ने बोगी-मुक्त सात-अंडर 63 का स्कोर बनाकर चौथा स्थान हासिल किया। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर अपना पहला सत्र खेल रहे इशिका ने शानदार और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया।

श्योराण की लगातार पांच बर्डी ने बदला राउंड का रुख

श्योराण के राउंड की शुरुआत कुछ असामान्य रही। उनका शुरुआती ड्राइव बाईं ओर खिंचकर दूसरे होल के बंकर में जा पहुंचा। ग्रीन तक उनका रास्ता पेड़ों से घिरा था, जिसके कारण उन्हें करीब 260 गज की दूरी से 40 गज का कट शॉट खेलना पड़ा। उन्होंने शानदार रिकवरी करते हुए गेंद को ग्रीन पर पहुंचाया और करीब 50 फुट से उनका पहला पट मामूली अंतर से होल होने से चूक गया। इसके बाद उन्होंने आसान पट के साथ बर्डी पूरी की।

श्योराण ने कहा कि शुरुआती बर्डी ने उनके राउंड को गति दी। इसके बाद उन्होंने 11वें होल पर 20 फुट, 12वें पर 10 फुट और 13वें पर आठ फुट के पट होल कर लगातार बर्डी बनाईं। 14वें होल पर ड्राइव से ग्रीन तक पहुंचने के बाद उन्होंने दो पट में लगातार पांचवीं बर्डी पूरी की।

दिन का उनका एकमात्र झटका 15वें होल पर आया, जहां पिचिंग वेज से खेला गया उनका ले-अप शॉट पेड़ों में चला गया और उन्हें पेनल्टी ड्रॉप लेना पड़ा। हालांकि, शुरुआती बढ़त और अच्छी लय के कारण वह इस गलती से विचलित नहीं हुए।

जापान में ठिकाना बदलने के बाद फिर मिली लय

श्योराण की पत्नी जापान की हैं और इसी कारण उन्होंने जून के मध्य में अपना ठिकाना जापान स्थानांतरित कर लिया था। इस बदलाव से उनका नियमित अभ्यास प्रभावित हुआ। प्रतियोगिताओं में वापसी के बाद उन्हें अपनी पसंदीदा दाएं से बाएं मुड़ने वाली गेंद की उड़ान दोबारा हासिल करने में परेशानी हुई।

उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह के तेलंगाना ओपन से पहले उन्होंने अपने कोच के साथ खेल पर विशेष रूप से काम किया। तेलंगाना ओपन में शीर्ष-10 में स्थान हासिल करने से उन्हें जरूरी आत्मविश्वास मिला, जिसका असर तेलंगाना गोलकुंडा मास्टर्स के पहले राउंड में देखने को मिला।

अपना राउंड पूरा करने तक श्योराण को यह जानकारी नहीं थी कि उन्होंने कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अंतिम होल पर 20 फुट का बर्डी पट खेलते समय उन्हें लगा कि वह नौ-अंडर पर हैं और रिकॉर्ड की बराबरी के लिए पट होल करना जरूरी है। बाद में उन्हें पता चला कि वह पहले ही 10-अंडर पर पहुंच चुके थे।

घरेलू कोर्स पर विशेष शर्मा का यादगार प्रदर्शन

विशेष शर्मा को भी राउंड समाप्त होने के बाद ही पता चला कि उन्होंने अपने घरेलू कोर्स पर वर्ष 2022 में मनु गंडास द्वारा बनाए गए कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

विशेष ने कहा कि घरेलू कोर्स पर ऐसा प्रदर्शन उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने अच्छी पटिंग की, कई बेहतरीन शॉट लगाए और धीमी शुरुआत के बावजूद धैर्य बनाए रखते हुए पूरे राउंड में अपना ध्यान वर्तमान खेल पर केंद्रित रखा।

विशेष ने छठे होल पर 15 फुट का ईगल पट होल किया। पार-3 16वें होल पर उन्होंने अपना टी शॉट होल से करीब तीन फुट की दूरी पर पहुंचाकर शानदार बर्डी बनाई।

युवा गोल्फर ने कहा कि घनी रफ के कारण ग्रीन के आसपास से पार बचाना भी उनके लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। उनके अनुसार, ग्रीन से मामूली चूक भी रिकवरी को मुश्किल बना सकती है और ऐसे मौकों पर पार बचाना अंततः स्कोर में बड़ा अंतर पैदा करता है।

विशेष ने घरेलू कोर्स पर खेलने को भी अपनी उपलब्धि का महत्व-पूर्ण पहलू बताया। उन्होंने कहा कि घर में रहने, मां के हाथ का भोजन मिलने और उस कोर्स पर खेलने का अवसर, जिसे वह अच्छी तरह जानते हैं, निश्चित रूप से उनके लिए मददगार रहा।

थंगाराजा और हनी बैसोया संयुक्त पांचवें स्थान पर

श्रीलंका के एन. थंगाराजा और दिल्ली के हनी बैसोया ने छह-अंडर 64 का स्कोर बनाकर संयुक्त पांचवां स्थान साझा किया।

गत चैंपियन बांग्लादेश के जमाल हुसैन ने दो-ओवर 72 के साथ शुरुआत की और संयुक्त 72वें स्थान पर रहे। वहीं, मौजूदा डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई रैंकिंग लीडर सप्तक तलवार ने इवन-पार 70 का स्कोर बनाकर संयुक्त 50वां स्थान हासिल किया।

रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के माध्यम से डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के नंबर एक खिलाड़ी का फैसला होगा। इसके साथ ही यह प्रतियोगिता डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के शीर्ष 24 खिलाड़ियों का भी निर्धारण करेगी, जो सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अपनी जगह बनाएंगे।

टूर्नामेंट को इवेंट पार्टनर्स तेलंगाना टूरिज्म, हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन, द वेस्टिन हैदराबाद माइंडस्पेस और द क्यू गोल्फ स्टूडियो बाय प्लेरूट गोल्फ का सहयोग प्राप्त है। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के अम्ब्रेला पार्टनर डीपी वर्ल्ड के अलावा टूर पार्टनर्स एक्सिस बैंक, अमूल, अमृतांजन एनरलाइट, एयर इंडिया महाराजा क्लब और कल्याणी भी टूर्नामेंट से जुड़े हैं।

किनवट-निर्मल सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग

किनवट, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा से लगे किनवट तहसील क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए किनवट से निर्मल तथा निर्मल से किनवट के बीच सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग की गई है। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता संजय बोलनवार ने किनवट डिपो प्रबंधक अशोक चव्हाण को ज्ञापन सौंपकर बस सेवा शुरू करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि किनवट से निर्मल के बीच रेल सेवा उपलब्ध नहीं है और वर्तमान में भी कोई सीधी बस सेवा नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बोलनवार ने बताया कि किनवट क्षेत्र के लोगों का निर्मल सहित निजामाबाद, करीमनगर, आर्मूर एवं मेटपल्ली आदि शहरों से सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यापारिक संबंध हैं। इसके अलावा उपचार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी नागरिकों को तेलंगाना के इन क्षेत्रों में नियमित रूप से आवागमन करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में यात्रियों की संख्या कम होने का कारण बताकर सीधी बस सेवा शुरू नहीं की गई थी, लेकिन यदि नियमित बस सेवा उपलब्ध कराई जाती है तो यात्रियों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। उन्होंने किनवट से निर्मल के लिए सुबह 7 बजे तथा निर्मल से किनवट के लिए शाम 7 बजे सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग की।

ज्ञापन पर संजय बोलनवार, मनोज चनमनवार, अजय जाधव, विकास बोलनवार एवं नरेश के हस्ताक्षर हैं।

'हरियाणवी साहित्य-कला संगम' में साहित्य और संस्कृति का संगम

नारनौल, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट, नारनौल एवं हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में हुडा सेक्टर स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र 'मनुमुक्त भवन' में 'हरियाणवी साहित्य-कला संगम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देशभर के दो दर्जन से अधिक साहित्यकारों ने सहभागिता की। समारोह की अध्यक्षता सिंघानिया विश्वविद्यालय के कुलपति एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ. मनोजकुमार गर्ग ने की। हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी मुख्य अतिथि तथा पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल विशिष्ट अतिथि रहे। अतिथियों ने दिवंगत डॉ. मनुमुक्त 'मानव' को श्रद्धांजलि देते हुए ट्रस्ट के साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर डॉ. सत्यवान सौरभ एवं डॉ. प्रियंका सौरभ द्वारा संपादित और डॉ. मनुमुक्त 'मानव' को समर्पित हरियाणवी लघुकथा-संकलन 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' का विमोचन किया गया। पुस्तक में 33 लघुकथाकारों की 99 लघुकथाएं शामिल हैं। इसके बाद विभिन्न कवियों ने काव्य-पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। समारोह के समापन पर अध्यक्ष, अतिथियों एवं सहभागी साहित्यकारों को अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न और सम्मान-पत्र भेंट कर 'डॉ. मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, चंडीगढ़ सहित विदेशों से जुड़े साहित्यकारों और अनेक गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

व्यवसायी ने अंबा भवानी मंदिर में चढ़ाई सोने की बूंद

बांसवाड़ा, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा के व्यवसायी एवं जागृति हॉस्पिटल के मालिक रुद्रंगी गंगाधर गुप्ता 'उदय श्री' ने बुदिमी गांव स्थित अंबा भवानी अम्मावारी मंदिर में देवी को सोने की बूंद अर्पित की। इसके बाद उन्होंने पत्नी के साथ श्रद्धापूर्वक विशेष पूजा-अर्चना की। बाद में बांसवाड़ा शहर स्थित कोटा दुर्गम्मा मंदिर में भी विशेष पूजा की गई तथा श्रद्धालुओं के लिए अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बुदिमी गांव के डॉ. तिरुमाला गौड़, जिन्ना रामु, श्रीनिवास गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

किसानों को तिलहन एवं पाम ऑयल की खेती का प्रशिक्षण

मदनूर, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल कृषि अधिकारी राजू एवं केवीके रुद्रूर के वैज्ञानिक इंदुधर रेड्डी ने मेनूर गांव स्थित रायथु वेदिका में किसानों के लिए तिलहन एवं पाम ऑयल की खेती को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में किसानों को राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के तहत सोयाबीन की डीएसबी-34 एवं एमएसीएस-1460 किस्मों की खेती तथा फसल संरक्षण उपायों की जानकारी दी गई। केवीके रुद्रूर के वैज्ञानिक इंदुधर रेड्डी ने क्लस्टर प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को शकरकंद की खेती एवं फसल संरक्षण उपायों के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान किसानों को नैनो डीएपी का वितरण किया गया।इसके बाद अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने खेतों में सोयाबीन एवं पाम ऑयल की फसलों का निरीक्षण कर किसानों को आवश्यक सुझाव दिए।कार्यक्रम में मेनूर गांव के सरपंच अशोक पटेल, उपसरपंच मलकाजी, एफपीओ अध्यक्ष चटलावर गोपाल, एईओ विशाल गौड़, राजहिता सहित किसान गोपाल, भीमराव, नागनाथ, हनमंडलु एवं अन्य किसान उपस्थित रहे।

श्री सिरोही जैन संघ में जारी है 'टेंपल रन'

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिरोही जैन संघ (हैदराबाद-सिकंदराबाद) की ओर से 28 अगस्त से 6 सितंबर तक 'टेंपल रन' का अनूठा आयोजन किया जा रहा है। जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि संघ के सदस्य पांच-पांच लोगों की टीमें बनाकर अधिक से अधिक जैन जिनालयों के दर्शन एवं पूजा कर रहे हैं। इस आयोजन से संघ में एकता, भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण बना हुआ है। आयोजन में नारी-शक्ति, आदि-शक्ति और सहन-शक्ति नामक तीन टीमें भाग ले रही हैं। इनमें मीना, तपन, कार्तिक, श्वेता, अमन, रोशनी, प्रतीक, अर्पण, मनीष, अंकित, मनीषा, अनिता, हर्षा, प्रियंका और निशा पूरे उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ टेंपल रन में सहभागिता कर रहे हैं।

श्री सिरोही जैन संघ (हैदराबाद-सिकंदराबाद) की ओर से सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं तथा आयोजन को भक्ति एवं सामाजिक एकता का प्रेरणादायक माध्यम बताया गया।

नई पेंशन व्यवस्था खत्म कर पुरानी पेंशन तुरंत लागू करने की मांग

कामारेड्डी, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एरिया टीचर्स एसोसिएशन (टापस) के जिला अध्यक्ष बोनेकर संतोष ने राज्य सरकार से नई पेंशन व्यवस्था समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना तत्काल लागू करने की मांग की। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र में सरकार बनने के छह माह के भीतर नई पेंशन व्यवस्था समाप्त कर पुरानी पेंशन लागू करने का वादा किया था।

सरकार द्वारा वादा पूरा नहीं किए जाने के विरोध में शिक्षकों ने टापस के नेतृत्व में राज्य के सभी स्कूलों में काले बैज पहनकर प्रदर्शन किया। टापस नेताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों और शिक्षकों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन बड़े आंदोलन की घोषणा करेगा और कर्मचारियों-शिक्षकों के अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा।

कार्यक्रम में संयुक्त कार्रवाई समिति के नेता संगमेश्वर, रवींद्रनाथ आर्य, अय्याला संतोष, वेधा प्रकाश, कृष्ण, अरुण कुमार, ताराचंद, श्रीकांत रेड्डी, सैलू, पवन कुमार, प्रसन्ना, हनुमानलू, संजीव सहित अन्य कर्मचारी और शिक्षक मौजूद रहे।

7 माह बाद भी अधूरा पड़ा मदनूर कृषि बाजार समिति का निर्माण कार्य

अध्यक्ष कक्ष, बैठक कक्ष और मूत्रालय निर्माण के लिए 51 लाख रुपये स्वीकृत

मदनूर, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के कृषि विभाग एवं कृषि बाजार समिति, मदनूर की ओर से बाजार प्रांगण में अध्यक्ष कक्ष, बैठक कक्ष तथा मूत्रालय निर्माण के लिए करीब 51 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य प्रस्तावित किए गए थे। इन कार्यों की आधारशिला 26 जनवरी 2026 को जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक तोटा लक्ष्मीकांत राव ने स्थानीय बाजार समिति अध्यक्ष सोजन्या रमेश, सरपंच उषा संतोष, कांग्रेस नेताओं एवं अधिकारियों की मौजूदगी में रखी थी।आधारशिला रखे जाने के करीब सात माह बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार प्रथम तल पर बैठक कक्ष एवं अध्यक्ष कक्ष के निर्माण के लिए 30 लाख रुपये तथा बाजार परिसर में मूत्रालय निर्माण के लिए 21 लाख रुपये की अनुमानित लागत निर्धारित की गई है।इस संबंध में मदनूर कृषि बाजार समिति के सचिव राजेश्वर से फोन पर जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि अध्यक्ष कक्ष, बैठक कक्ष एवं मूत्रालय निर्माण के लिए सरकार से मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार सामने नहीं आ रहे हैं। इसके चलते कार्य शुरू नहीं हो सका है।

मीडिया जंक्शन का चार दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग वर्कशॉप

हैदराबाद, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

मीडिया जंक्शन मुशीराबाद स्थित अपने परिसर में 3 से 6 सितंबर 2026 तक चार दिवसीय पब्लिक स्पीकिंग वर्कशॉप का आयोजन कर रहा है। वर्कशॉप का संचालन 25 वर्षों से अधिक अनुभव वाले पब्लिक रिलेशंस प्रोफेशनल डी. रामचंद्रम करेंगे। इसमें प्रभावी सार्वजनिक बोलने, प्रेजेंटेशन स्किल्स और आत्मविश्वासपूर्ण संवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सत्र प्रतिदिन शाम 6 बजे से 9.30 बजे तक चलेंगे। व्यक्तिगत ध्यान और व्यावहारिक अभ्यास सुनिश्चित करने के लिए केवल 15 प्रतिभागियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। राजनेता, छात्र, अधिवक्ता, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, आईटी प्रोफेशनल, व्यापारी समेत सभी वर्गों के लोग भाग ले सकते हैं। स्थान: मीडिया जंक्शन, ग्राउंड फ्लोर 4ए, पार्थानी टावर्स, उषा मयूरी थिएटर के पास, गोलकोंडा क्रॉस रोड्स, मुशीराबाद, हैदराबाद-20 (लैंडमार्क: मेट्रो पिलर 1083 के पास)।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सैन्य स्टोर से...

सेना ने भी मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। फिलहाल चोरी का सटीक समय, आरोपियों की पहचान और हथियारों को परिसर से बाहर ले जाने का तरीका स्पष्ट नहीं हुआ है।हाई सिक्योरिटी सैन्य परिसर से हथियारों की चोरी को गंभीर सुरक्षा मामला माना जा रहा है। पुलिस और सेना की प्राथमिकता चोरी हुए हथियारों तथा गोला-बारूद की बरामदगी और घटना में शामिल लोगों की पहचान करना है। घटना की बारिकियों से जांच जारी है।

कॉकरोच...

हालांकि, यह छूट उन अपराधों पर लागू नहीं होगी जिन्हें अदालत ने जांच के लिए विशेष रूप से अनुमति दी है। दिल्ली पुलिस को अपनी अर्जी में शामिल उन 2,873 लोगों के खिलाफ अलग से कार्रवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है जिन पर शारीरिक चोट पहुंचाने या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों का सामना कर रहे लोग उचित कानूनी उपाय अपनाने के हकदार होंगे। श्री दास ने कहा कि सीजेपी का हमेशा से यह मानना रहा है कि गंभीर अपराधों के आरोपी लोगों को सिर्फ़ इसलिए नहीं बचाया जाना चाहिए क्योंकि कथित अपराध विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए थे। उन्होंने कहा, चेहरा पहचानने वाली तकनीक (फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी) के आधार पर दिल्ली पुलिस की इस आशंका के बारे में कि विरोध स्थल पर लगभग 2,800 कथित कुख्यात अपराधी मौजूद थे, हमने सरकार के साथ बातचीत के दौरान तर्क दिया कि अगर ये 2,800 कुख्यात अपराधी वास्तव में वहां मौजूद थे, तो पहला सवाल यह उठता है कि वे समाज में खुलेआम क्यों घूम रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन को असली आपराधिक जांच से कोई आपत्ति नहीं है। श्री दास ने कहा, अगर उन्होंने विरोध स्थल पर बलात्कार, हत्या या अन्य गंभीर अपराध जैसे कोई जघन्य अपराध किए हैं, तो उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए, जांच होनी चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। श्री दास के अनुसार, पुलिस द्वारा नामजद लोगों की जांच के लिए दिल्ली में अलग प्राथमिकी दर्ज करने की उच्चतम न्यायालय की अनुमति ने उस मुद्दे पर स्पष्टता ला दी, जो सरकार और सीजेपी के बीच विवाद का विषय बना हुआ था। श्री दास ने कहा कि सीजेपी ने यह आश्वासन मांगा था कि परिवारों को 90 दिनों के भीतर उचित राशि मिलेगी और यह पैसा सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार ने आज उच्चतम न्यायालय को यह आश्वासन दिया और नयायालय ने इसे स्वीकार करते हुए अपने आदेश में शामिल करके इसे न्यायिक मान्यता दी। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र ने इस मामले को सकारात्मक रूप से लिया है और सीजेपी प्रतिनिधियों को पहले दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बदले की...

हालांकि, जॉर्डन का दावा है कि उसने अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाली आठ मिसाइलों को बीच में ही मार गिराया।अमेरिकी सेंट्रल कमांड का कहना है कि आईआरजीसी होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगें ले जाने वाले रॉकेट दागने की तैयारी कर रहा था। ईरान ने इन अमेरिकी हमलों में अपने सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान को गंभीर सैन्य और आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

ट्रंप बोलेबदला लेने की भूल न करे ईरान

इन हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी ठिकानों पर बड़े और जोरदार हमले कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि ये हमले ईरान की समुद्री सुरंगें बिछाने की नाकाम कोशिश के जवाब में किए जा रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर आठ मिसाइलें दागीं, जिन्हें मार गिराया गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरान ने इस हमले का बदला लेने की कोशिश की तो उस पर पहले से कहीं अधिक बड़े स्तर पर हमला किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि आगे की कार्रवाई बेहद व्यापक और विनाशकारी हो सकती है।

5000 यूएस...

शहर की वॉकिंग स्ट्रीट और आसपास के मनोरंजन क्षेत्र विशेष रूप से लोकप्रिय है। थाईलैंड में कागजों पर वेश्यावृत्ति गैर-कानूनी है। सार्वजनिक रूप से ग्राहकों को बुलाने, वेश्यालय चलाने और यौन कार्य से आय अर्जित करने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने वाले कानून मौजूद हैं। हालांकि, व्यवहार में यह कारोबार बड़े पैमाने पर जारी है और कई स्थानों पर प्रशासनिक स्तर पर इसे लेकर लंबे समय से ढिलाई बरती जाती रही है, विशेषकर पटाया में।

अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो एफबीआई ने इस शहर को कभी दुनिया के प्रमुख सेक्स पर्यटन स्थलों में से एक बताया था।

इसके बावजूद थाई मीडिया की खबरों के मुताबिक अधिकारियों ने यूएसएस अब्राहम लिंकन के आने से पहले वेश्यावृत्ति नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस अभियान के दौरान शहरभर में वेश्यावृत्ति से जुड़े मामलों में करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सुस्त पर्यटन अर्थव्यवस्था को राहत की उम्मीद

यह कार्रवाई ऐसे समय हो रही है, जब पटाया के कारोबारी उम्मीद कर रहे हैं कि 5,000 अमेरिकी सैनिकों के आगमन से शहर की सुस्त पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। 28 फरवरी को मध्य पूर्व में युद्ध शुरू होने के बाद से ही क्षेत्र की पर्यटन अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ने की बात कही जा रही है।

पटाया पुलिस शहर में सेक्स वर्करों के खिलाफ अभियान चला रही है और यह कार्रवाई यूएसएस अब्राहम लिंकन के क्षेत्र में पहुंचने से ठीक पहले की जा रही है। यह विमानवाहक युद्धपोत पिछले वर्ष नवंबर में अमेरिका के पश्चिमी तट स्थित सैन डिएगो से रवाना हुआ था और ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में सहायता करते हुए 250 से अधिक दिन समुद्र में बिता चुका है। इतने लंबे समय तक तैनाती के दौरान जहाज पर क्रू सदस्यों ने बुनियादी सामान की कमी, खराब सुविधाओं, अत्यधिक कार्य घंटों और मानसिक दबाव जैसी समस्याओं की शिकायतें भी की थीं।

अब लिंकन को पटाया के निकट लैम चाबांग बंदरगाह पर रुकना है, जिससे इसके लगभग 5,000 नौसैनिकों, मरीन और पायलटों को लंबे समुद्री अभियान के बाद जमीन पर कुछ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

थाई सार्वजनिक प्रसारण सेवा थाई पीबीएस के अनुसार, पटाया के अधिकारियों, पुलिस और अमेरिकी सेना के प्रतिनिधियों ने 31 अगस्त को सिटी हॉल में बैठक कर 2 सितंबर से यूएसएस अब्राहम लिंकन से आने वाले लगभग 5,000 नौसैनिकों और मरीन के लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले सैन्य कर्मियों को भांग उत्पादों की दुकानों, नशीले पदार्थों से जुड़ी दुकानों और कुछ जल क्रीड़ा गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी जाएगी। वे वॉकिंग स्ट्रीट, जिसे पटाया का रेड-लाइट क्षेत्र माना जाता है, जा सकते हैं, लेकिन उन्हें रात दो बजे के बाद बीयर बार या अन्य रात्रिकालीन मनोरंजन स्थलों पर न रुकने की सलाह दी गई है।

थाई पीबीएस की रिपोर्ट के अनुसार पर्यटन से जुड़े सभी व्यवसायों को निर्देश दिया गया है कि वे अमेरिकी सैन्य कर्मियों को व्यावसायिक यौन सेवाएं, विशेष रूप से बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की यौन सेवा, उपलब्ध न कराएं। अधिकारियों ने कारोबारियों को यह भी चेतावनी दी है कि वे आने वाले लोगों का अनुचित लाभ न उठाएं और सेवाओं के लिए उनसे अधिक कीमत न वसूलें।

रामसेवक...

योगेश्वर राम मिश्रा शामिल हैं। हालांकि, इन चार नामों में से किसका नाम खोज समिति के तीन नामों वाले पैनल में है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। यही वजह है कि 2 सितंबर की बैठक पर खास नजर है। खोज समिति ने तीन नामों का पैनल ट्रस्ट को सौंप दिया है। अब इन नामों में से किसी एक को चुनने का अधिकार ट्रस्ट के पास है। बैठक के बाद जिस नाम की घोषणा होगी, वही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पहला सीईओ होगा।

5,585 आवेदनों से शुरू हुई थी तलाश

इस एक पद के लिए तलाश छोटी नहीं थी। सीईओ पद के लिए कुल 5,585 आवेदन आए थे। इन आवेदनों की तकनीकी जांच के साथ मैन्युअल पड़ताल भी की गई। इसके लिए दिल्ली-एनसीआर, पुणे और संबलपुर में अलग-अलग टीमें लगाई गई थीं।

दस्तावेजों की जांच के बाद 16 उम्मीदवारों को अगले दौर के लिए चुना गया। इनसे 3 से 6 अगस्त के बीच ऑनलाइन बातचीत हुई। इसके बाद 11 और 12 अगस्त को उन्हें अयोध्या बुलाया गया, जहां आमने-सामने साक्षात्कार हुआ। इसी पूरी प्रक्रिया के बाद तीन नामों का पैनल तैयार किया गया।

16 छंटनी किए गए उम्मीदवारों में ज्यादातर ऐसे लोग थे, जिन्हें प्रशासन या सेना में बड़े स्तर पर काम करने का अनुभव रहा है। चयन के दौरान सिर्फ नौकरी का अनुभव नहीं देखा गया। नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन, ईमानदारी, काम करने का तरीका और दूरदर्शिता जैसी बातों को भी परखा गया।

तीन सदस्यों की समिति ने तैयार की रिपोर्ट

सीईओ के चयन के लिए तीन सदस्यीय खोज समिति बनाई गई थी। इसमें न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. चतुर्वेदी और डॉ. सुरेश हावरे शामिल रहे। तीनों सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में लंबा अनुभव है।

समिति ने उम्मीदवारों से बातचीत के बाद पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। खोज समिति के सचिव समीर पंडा ने बताया कि चयन की प्रक्रिया तय समय से पहले पूरी कर ली गई। 1 सितंबर को समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी। अब यह रिपोर्ट ट्रस्ट की बैठक में रखी जाएगी। इसके बाद तीन नामों पर विचार होगा।

ट्रस्ट के तीन खाली पद भी भरने की तैयारी

सीईओ के अलावा ट्रस्टियों के तीन पद भी खाली हैं। 2 सितंबर को होने वाली विशेष बैठक में इन्हें भरने पर पहले चर्चा की जाएगी। पूर्णकालिक महासचिव के नाम पर भी फैसला हो सकता है।

मुख्य बैठक में ट्रस्ट की अलग-अलग समितियों को लेकर भी चर्चा होगी। धार्मिक न्यास समिति, निर्माण समिति, वित्त समिति, लेखा-परीक्षा समिति समेत प्रबंध समिति के पुनर्गठन पर फैसला लिया जा सकता है। इससे आने वाले समय में ट्रस्ट के कामकाज की जिम्मेदारियों को लेकर नई तस्वीर सामने आएगी।

प्रवक्ता की जगह मीडिया प्रभारी?

बैठक में राम मंदिर ट्रस्ट के मीडिया से जुड़े काम को लेकर भी बदलाव की संभावना है। विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त मंत्री के स्तर से ट्रस्ट के प्रवक्ता की जगह मीडिया प्रभारी के नाम की घोषणा की जा सकती है। यानी 2 सितंबर की बैठक में एक साथ कई अहम फैसले होने की उम्मीद है। सबसे बड़ा इंतजार पहले सीईओ के नाम को लेकर है, लेकिन ट्रस्ट के दूसरे खाली पदों पर होने वाले फैसले भी महत्वपूर्ण होंगे।

सीईओ के चयन की प्रक्रिया 1 जुलाई को शुरू हुई थी। उस दिन पात्रता और चयन के नियमों को लेकर पहली बैठक हुई। 6 जुलाई को खोज समिति का गठन किया गया। 14 जुलाई को समीर पंडा को समिति का सचिव बनाया गया। 18 जुलाई को आवेदन लेने की प्रक्रिया बंद हो गई। इसके बाद आवेदनों की जांच हुई।

अगस्त में ऑनलाइन बातचीत से लेकर अयोध्या में आमने-सामने साक्षात्कार तक का दौर चला। आखिरकार 1 सितंबर को तीन नामों का पैनल ट्रस्ट को सौंप दिया गया।अब अगला पड़ाव 2 सितंबर है। मणिराम छावनी में होने वाली बैठक में ट्रस्ट तीन नामों पर चर्चा करेगा। इसके बाद यह तय होगा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले सीईओ की जिम्मेदारी किसे दी जाती है।

कांग्रेस पैसा ...

399 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद कांग्रेस को उस चुनाव में सिर्फ दो सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

50-50 प्रतिशत सीट बंटवारे पर जोर

2024 के लोकसभा चुनाव में छह सीटों पर मिली जीत और उत्तर भारत में राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता के आधार पर कांग्रेस समाजवादी पार्टी पर 50-50 के अनुपात में सीटें बांटने का दबाव बना रही है। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सीटों पर समझौता करके सिर्फ अखिलेश यादव की सरकार बनाने के लिए कांग्रेस खुद को कमजोर नहीं करेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम भी 403 में से 50 प्रतिशत सीटों की मांग कर रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कांग्रेस किसी भी हाल में 115 से 120 सीटों से कम पर राजी नहीं होगी। दूसरी तरफ, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का रुख है कि गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन इसका आधार 'सीटें नहीं, जीत' का फॉर्मूला होगा।

सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश

दलित, अल्पसंख्यक और गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं के समर्थन के दम पर कांग्रेस राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटी है। पार्टी 'बलिया से मेरठ' तक यात्रा और सामाजिक न्याय अभियान के जरिए 2026 में अपनी राजनीतिक वापसी को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस की रणनीति में एक तरफ मजबूत आर्थिक स्थिति वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारने पर जोर है, तो दूसरी तरफ जमीनी पकड़ और सामाजिक समीकरणों को भी अहमियत दी जा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर होने वाली बातचीत आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 02 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा ने मनाया 17वां राखी उत्सव

अनाथ विद्यार्थी गृह में 120 बालकों को बांधी राखी, करियर एवं लक्ष्य निर्धारण पर हुई प्रेरणादायक कार्यशाला

हैदराबाद, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा की ओर से एल.बी. नगर स्थित अनाथ विद्यार्थी गृह (एवीजी) में लगातार 17वें वर्ष राखी उत्सव उत्साह एवं सेवा-भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाखा की महिलाओं ने एवीजी में रहने वाले 120 बालकों को राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। शाखा सदस्य श्रीमती संजू बाला ने राखियों का सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय अग्रवाल समाज तेलंगाना के कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रक्षाबंधन के अवसर पर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए डॉ. राहुल अग्रवाल एवं जितेश अग्रवाल ने करियर एवं लक्ष्य निर्धारण विषय पर प्रेरणादायक कार्यशाला आयोजित की। दोनों वक्ताओं ने बच्चों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, उपयुक्त करियर विकल्प चुनने तथा निरंतर मेहनत एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर बच्चों को उपहार बैग वितरित किए गए। शाखा की ओर से एक स्वचालित वॉशिंग मशीन तथा दो प्रेशर कुकर भेंट किए गए। केंद्रीय सदस्य श्वेता जी ने प्रेशर कुकर का सहयोग किया। बच्चों के लिए विभिन्न स्टेशनरी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। वहीं अग्रवाल समाज दक्षिण क्षेत्र की अध्यक्ष श्रीमती अलका मिंडा ने 50 किलो तूर दाल का सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में एवीजी के संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष राजेश जी को उनके निरंतर सेवा कार्यों तथा बच्चों के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। राजेश गोयल एवं उनकी पत्नी श्रीमती संगीता अग्रवाल की ओर से बच्चों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई, जिसका बच्चों ने आनंद लिया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा, मंत्री श्रीमती नीति अग्रवाल, संयुक्त सचिव श्रीमती कविता बंसल, केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती सुनीता, सहायक कोषाध्यक्ष संतोष, सलाहकार निर्मला, अलका, जगदंबा, सुरभि, शोभा, कृष्णा, सुशीला, गुड़िया, शकुंतला, दीपिका, कल्पना एवं स्निग्धा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में शाखा की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया। अंत में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी अग्रवाल एवं मंत्री श्रीमती नीति अग्रवाल ने अतिथियों, सदस्यों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से ही यह सेवा कार्य लगातार 17 वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है।

राखी उत्सव ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के साथ उन्हें स्नेह, अपनापन और अपने भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच का संदेश भी दिया।

'प्रॉजेक्ट अन्नपूर्णा' से 101 जरूरतमंद परिवारों को कल मिलेगा मासिक राशन

अग्रवाल समाज सभागृह में होगा राशन एवं घरेलू उपयोगी सामग्री का वितरण

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नियमित सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रवाल समाज तेलंगाना ने 'प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा' के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवा पहल शुरू की है। इसके तहत चयनित 101 जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं से युक्त किट प्रदान की जाएगी। किट का वितरण 3 सितंबर को शाम 4 बजे राघव रत्ना टावर्स, चिराग अली लेन स्थित अग्रवाल समाज सभागृह में किया जाएगा।

रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई राशन किट

समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि योजना के लिए ऐसे 101 परिवारों का चयन किया गया है, जिन्हें नियमित खाद्य सामग्री की आवश्यकता है। सभी लाभार्थियों को व्यक्तिगत रूप से फोन पर सूचना दी जाएगी और वे निर्धारित समय पर 10वीं मंजिल स्थित अग्रवाल समाज सभागृह पहुंचकर किट प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि राशन किट को केवल अनाज तक सीमित न रखते हुए परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें 5 किलो आटा, 5 किलो चावल, तूर दाल, मूंग दाल, चना दाल, मूंगफली, काला चना, पोहा, उपमा रवा, घी, तेल, पापड़, चीनी, नमक, राई, साबुत उड़द, मैदा, गुड़, चाय पत्ती, बिस्किट, मुरमुरा एवं सर्फ शामिल हैं। इसके अलावा टूथब्रश, टूथपेस्ट, साबुन, शैम्पू, हेयर ऑयल, विम बार और अगरबत्ती जैसी उपयोगी वस्तुएं भी किट में दी जाएंगी।

छह महीनों में सेवा गतिविधियों का हुआ व्यापक विस्तार

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल के नेतृत्व में पिछले छह महीनों में सेवा गतिविधियों का व्यापक विस्तार हुआ है। जरूरतमंद परिवारों के लिए इंडक्शन चूल्हों का वितरण, विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता एवं छात्रवृत्ति, एकल महिलाओं के कल्याण के लिए मासिक पेंशन तथा रक्षाबंधन पर उपहार वितरण जैसी योजनाएं संचालित की गईं।

इसके अलावा समाज की ओर से समर कैंप, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, आयुर्वेदिक एवं हड्डी रोग चिकित्सा शिविर तथा श्री जगन्नाथ धाम और श्रीशैलम की धार्मिक यात्राओं का आयोजन भी किया गया।

आगामी नवरात्रि पर्व के दौरान 11 से 19 अक्टूबर तक क्लासिक कन्वेंशन-3 में निशुल्क डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

समाज पदाधिकारियों ने कहा कि कम समय में सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला कल्याण और सामाजिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना समाज की 'किसी का पेट भरे, यही सच्ची सेवा है' की भावना को दर्शाता है। 'प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा' इसी सेवा श्रृंखला को निरंतर एवं व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास है।

सेवा भारती एलसीएच ग्रीनलैण्ड्स डॉ. ईश्वरचंद चैरिटेबल अस्पताल एवं तेलंगाना माली युवा संगम के संयुक्त तत्वावधान में

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 6 सितंबर को

हैदराबाद 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा भारती एलसीएच ग्रीनलैण्ड्स डॉ. ईश्वरचंद चैरिटेबल अस्पताल एवं तेलंगाना माली युवा संगम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 6 सितंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कोलसावाड़ी स्थित राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ भवन में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

अस्पताल के डॉ. हेमंत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शिविर में सामान्य चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ एवं सामान्य शल्य चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में मरीजों की स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यकतानुसार रोगों की पहचान की जाएगी। इसके बाद जरूरतमंद मरीजों का उपचार सीतारामबाग स्थित सेवा भारती अस्पताल में अत्यंत न्यूनतम दरों पर किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार, महंगाई के दौर में आमजन को कम लागत पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा भारती अस्पताल पिछले तीन वर्षों से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल में अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थिएटर है, जहां विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अस्पताल में कई मरीजों के घुटनों के ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं।

अस्पताल की ओर से 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि अस्पताल से जुड़े विशेषज्ञ चिकित्सक मानव सेवा की भावना से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने रामचंदर राव की हिरासत की निंदा की

हैदराबाद, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव को गांधी नगर, सिकंदराबाद पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है।

मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महासचिव रजनीश जैन एवं मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान ने आरोप लगाया कि रामचंदर राव भाजपा नलगोंडा जिला अध्यक्ष नागम वर्षित रेड्डी के घर में कथित तोड़फोड़ एवं हमले के बाद पीड़ित परिवार और पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुटता व्यक्त करने नलगोंडा जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर गांधी नगर पुलिस स्टेशन भेज दिया। मोर्चा नेताओं ने आरोप लगाया कि हमले के दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के बजाय पीड़ितों से मिलने जा रहे प्रदेश अध्यक्ष को ही रोकना उचित नहीं है। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार का अलोकतांत्रिक रवैया बताते हुए घटना की निंदा की।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहनसिंह ने कहा कि पुलिस तंत्र का कथित रूप से दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि हमले, हिरासत और धमकियों से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल नहीं तोड़ा जा सकता। प्रदेश महासचिव हरप्रीतसिंह गुलाटी ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

जहां सेवा में संस्कार और संस्कार में मानवता है, वही है राधे-राधे परिवार : मोहित अग्रवाल

हैदराबाद। सेवा को संस्कार और संस्कार को मानवता से जोड़ते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे परिवार सेवा और संस्कार का अद्भुत संगम है। यहां सेवा किसी दिखावे का माध्यम नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने और समाज में मानवता की भावना को मजबूत करने का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। जब सेवा में संस्कार जुड़ते हैं तो वह केवल एक व्यक्ति की मदद नहीं रहती, बल्कि समाज को सही दिशा देने वाली प्रेरणा बन जाती है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।मोहित अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन देना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में उस क्षण उम्मीद और अपनापन पहुंचाना है। गौसेवा और मानव सेवा के माध्यम से राधे-राधे परिवार समाज को यह संदेश दे रहा है कि एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है।उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन केवल बड़े प्रयासों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सेवा कार्यों की निरंतरता से आता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं को अकेला या उपेक्षित महसूस नहीं करेगा।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं मोहित अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, संस्कार, सहयोग और मानवता की भावना को निरंतर मजबूत रहे।

जिडिमेटला स्थित एनसीएल अपार्टमेंट में सरिता डागा के निवास स्थान पर कजली तीज पर्व के अवसर पर पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पूजा में पूनम डागा, प्रीति रांधेड, मधु रांधेड, रजनी पारेख, विनिता जैन, शर्मिला मालपानी, श्वेता रांधेड सहित अन्य महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

कोठी स्थित उमा स्वाती के निवास पर मंगलवार को तीज पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने तीज के व्रत का पालन करते हुए गाँव-घर की परंपरा के अनुसार पूजा की और सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगल कामना की।

सेवा का भाव माँ से मिलता है : आशा गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली गार्डन स्थित पिलर नंबर 1265 के पास मंगलवार को नियमित सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा गुप्ता ने कहा कि सेवा का भाव सबसे पहले मां से ही मिलता है। कोई तन से सेवा करता है, कोई मन से और कोई धन से, लेकिन उद्देश्य एक ही होता हैमानवता की सेवा और जरूरतमंदों के जीवन में सहयोग का भाव जगाना।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि ईश्वर ने हमें इस पुनीत कार्य से जुड़ने का अवसर दिया है। सेवा के माध्यम से हम न केवल किसी जरूरतमंद का सहारा बनते हैं, बल्कि ईश्वर द्वारा दिए गए जीवन में पुण्य अर्जित करने का अवसर भी प्राप्त करते हैं।

कार्यक्रम में महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सतीश गुप्ता, आशा गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, नंद गोपाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत एवं कमला कुमावत सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

श्री जगन्नाथ मठ सीताराम बाग में श्री सीताराम रामचंद्र पंवार परिवार द्वारा 30.8.29 को तुला दान एवं सुंदर कांड की प्रस्तुति करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाज़ार के सदस्य राधेश्याम दुर्गा राठी गोपीकिसन इंदिरा बंग, बद्रीप्रसाद सुरेखा सारडा, गुलाब चंद जयश्री देवड़ा,एवं भक्त गण।

एग्जीबिशन ग्राउंड में श्रीमती लता मुकेशकुमार चौहान एवं श्रीमती रुचिता वर्धमान चौहान का पारणा कराते हुए जैन संस्कार वाटिका के ट्रस्टी मुकेश जैन चौहान, वर्धमान चौहान एवं अर्हम चौहान।.

तुक्कुगुड़ा नर्स हत्याकांड

एक महीने तक रखी नजर, वारदात के बाद गैराज जाकर सो गया आरोपी

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पहाडी. शरीफ थाना क्षेत्र में चर्चित हत्या-यौन हमला कांड-तुक्कुगुड़ा में 21 वर्षीय नर्स श्रीषा की हत्या और दुष्कर्म के मामले में जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी 34 वर्षीय बाइक मैकेनिक मोहम्मद सनाउल्लाह करीब एक महीने से नर्स की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। वह अस्पताल के पास स्थित अपने गैराज से नर्स के कमरे की पिछली खिड़की पर नजर रखता था और उसकी दिनचर्या पर ध्यान दे रहा था।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 28 और 29 अगस्त की दरम्यानी रात नर्स के कमरे में खिड़की के रास्ते प्रवेश किया। नर्स के जागने और विरोध करने पर दोनों के बीच संघर्ष हुआ।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने उसका मुंह दबाया और गला पकड़ लिया। संघर्ष के दौरान नर्स ने आरोपी की उंगली काटने तथा उसके गले और सीने पर खरोंचने की कोशिश की। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसे गला दबाकर मार डाला और यौन हमला किया।

जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद आरोपी घटनास्थल से निकलकर वापस अपने गैराज पहुंचा और वहां जाकर सो गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शुरुआत में घटना में अपनी भूमिका से इनकार किया था। बाद में मोबाइल फोन के टावर डेटा और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उससे दोबारा पूछताछ की गई, जिसके बाद उसके कथित तौर पर अपराध स्वीकार करने की बात सामने आई।

पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हत्या के मामले में दुष्कर्म से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गई हैं। हालांकि जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू अभी स्पष्ट होना बाकी है कि यौन हमला नर्स की मृत्यु से पहले हुआ या उसके बाद। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने दावा किया है कि यौन हमले के समय नर्स बेहोश थी। इस बिंदु की पुष्टि मेडिकल और फॉरेंसिक साक्ष्यों से की जा रही है।पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्य कब्जे में लिए हैं। घटनास्थल से मिले बाल और अन्य फॉरेंसिक सुरागों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी का बिहार में कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। मामले में वैज्ञानिक और तकनीकी जांच जारी है।

श्रीषा मूल रूप से भद्राद्री कोठागुडेम जिले की रहने वाली थी और करीब सात महीने पहले हैदराबाद आई थी। वह तुक्कुगुड़ा के एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर रही थी और अस्पताल के पास स्थित आवासीय कमरे में रह रही थी। 29 अगस्त को उसके कमरे से बाहर नहीं आने और फोन का जवाब नहीं देने पर सहकर्मियों को संदेह हुआ। बाद में खिड़की से कमरे में प्रवेश करने पर उसकी मौत का पता चला।

आरोपी पर जल्द कार्रवाई की मांग, विरोध प्रदर्शन

21 वर्षीय आदिवासी नर्स श्रीषा के कथित दुष्कर्म और हत्या के विरोध में विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन कर आरोपी के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने श्रीषा के लिए न्याय की मांग करते हुए आरोपी मोहम्मद सनाउल्लाह को कड़ी सजा दिलाने और मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में कराने की अपील की।प्रदर्शन के दौरान श्रीषा की तस्वीर वाले पोस्टर लेकर लोगों ने न्याय की मांग उठाई। तेलंगाना नर्सेज एसोसिएशन समेत विभिन्न संगठनों ने नर्सों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया।

प्रदर्शनकारियों ने निजी और कॉरपोरेट अस्पतालों में काम करने वाली नर्सों के लिए सुरक्षित आवास और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग सरकार से की।इस बीच मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस जांच जारी है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मामले की तेजी से जांच कर दोषी को कानून के तहत सख्त सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित करने की मांग की।

हाइड्रा आयुक्त रंगनाथ को हाईकोर्ट से राहत

सिंगल बेंच का आदेश रद्द, 3 नवम्बर को अगली सुनवाई

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ को तेलंगाना हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच से बड़ी राहत मिली है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें रंगनाथ को हाइड्रा आयुक्त के पद से तत्काल हटाकर उनकी जगह किसी अन्य अधिकारी की नियुक्ति का निर्देश दिया गया था। मामला अदालत की अवमानना से जुड़े मामलों की पृष्ठभूमि में सामने आया था। सिंगल बेंच ने संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान रंगनाथ की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्हें पद से हटाने का आदेश दिया था। साथ ही सरकार को उनकी जगह दूसरे अधिकारी की नियुक्ति करने के निर्देश दिए गए थे।सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए रंगनाथ ने डिवीजन बेंच में अपील दायर की। सुनवाई के दौरान उनकी ओर से दलील दी गई कि सिंगल बेंच का आदेश उचित नहीं है और इसके कारण उन्हें पद से हटाने की स्थिति पैदा हो गई है।डिवीजन बेंच ने मामले पर सुनवाई के बाद सिंगल बेंच के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही रंगनाथ के हाइड्रा आयुक्त पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया। फिलहाल उन्हें पद से हटाने की कार्रवाई नहीं की जा सकेगी।

अदालत ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 3 नवंबर 2026 की तारीख तय की है। ऐसे में डिवीजन बेंच का आदेश रंगनाथ के लिए फिलहाल बड़ी राहत है, जबकि मामले का अंतिम कानूनी निष्कर्ष अगली सुनवाई के बाद सामने आएगा।

वर्दी की आड़ में घुसखोरी का खेल! 10 हजार लेते रंगे हाथ दबोचा गया टॉलीचौकी का सब-इंस्पेक्टर

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में रिश्वतखोरी रुकने का नाम ही न ले रही है, आम जनता के लिए जिस वर्दी पर कानून की हिफाजत की जिम्मेदारी है, उसी वर्दी पर रिश्वतखोरी का दाग लग गया। टॉलीचौकी पुलिस स्टेशन का सब-इंस्पेक्टर आर. पांडु नाइक मंगलवार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एसीबी के शिकंजे में फंस गया। अधिकारी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से उसकी मां की ओर से दी गई शिकायत पर केस दर्ज नहीं करने, पारिवारिक विवाद को रफा-दफा करने और उसका पासपोर्ट जब्त नहीं करने के बदले रकम मांगी थी।

शिकायतकर्ता ने रिश्वत की मांग से परेशान होकर तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो से संपर्क किया। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की सिटी रेंज-1 टीम ने मामले की पुष्टि की और सब-इंस्पेक्टर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

तय योजना के मुताबिक, जैसे ही पांडु नाइक ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपए स्वीकार किए, एसीबी अधिकारियों ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई। एसीबी ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई शुरू की है।

एसीबी के मुताबिक, पांडु नायक ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता से अनुचित लाभ हासिल करने की कोशिश की। आरोप है कि वह शिकायतकर्ता के खिलाफ उसकी मां की ओर से दी गई शिकायत पर मामला दर्ज नहीं करने और विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने के नाम पर रिश्वत मांग रहा था।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी सब-इंस्पेक्टर को नामपल्ली स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष न्यायिक रिमांड के लिए पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जायेगी

एसीबी ने सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान और उससे जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। एजेंसी ने नागरिकों से अपील की है कि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करे तो इसकी सूचना एसीबी की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 पर दें। एसीबी के अनुसार शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

बीआरएस का बढ़ता ग्राफ का दावा, सर्वे में कांग्रेस सरकार के लिए बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की राजनीति में भारत राष्ट्र समिति के लिए स्थिति सुधरने का दावा किया गया है। चाणक्य स्ट्रेटेजीज के कथित सर्वे में कांग्रेस सरकार के करीब 1000 दिनों के शासन को लेकर जनता के रुझान का आकलन किया गया है। सर्वे में दावा है कि 53 प्रतिशत लोग बीआरएस के 10 साल के शासन को फिर से चाहते हैं और के. चंद्रशेखर राव की वापसी के पक्ष में हैं।

सर्वे के मुताबिक 2023 के विधानसभा चुनाव परिणामों की तुलना में मौजूदा समय में बीआरएस का राजनीतिक ग्राफ करीब 5 प्रतिशत ऊपर गया है। युवाओं के बीच भी पार्टी के समर्थन में बढ़ोतरी का दावा किया गया है। करीब 50 प्रतिशत युवा बीआरएस की वापसी के पक्ष में बताए गए हैं। वहीं महिलाओं के बीच कांग्रेस सरकार को लेकर असंतोष होने की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की लोकप्रियता को लेकर सर्वे में चौंकाने वाला दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अपने ही जिले में लोकप्रियता के मामले में रेवंत रेड्डी आठवें स्थान पर हैं। वहीं करीमनगर में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव और मेडक में टी. हरीश राव को लोकप्रियता के मामले में आगे बताया गया है।

क्षेत्रवार चुनावी समीकरण को लेकर भी बीआरएस के पक्ष में तस्वीर पेश की गई है। सर्वे में दावा है कि वारंगल जिले की आठ सीटों पर बीआरएस आगे है, जबकि खम्मम और नलगोंडा में पार्टी को छह-छह सीटों पर बढ़त हासिल है। इन अनुमानों के आधार पर आगामी खम्मम, नलगोंडा और वारंगल ग्रेजुएट एमएलसी चुनावों में बीआरएस की जीत की संभावना जताई गई है।

नगर निकाय चुनावों को लेकर सर्वे में दावा किया गया है कि मलकाजगिरी और साइबराबाद नगर निगमों में बीआरएस मजबूत स्थिति में है और पार्टी को एकतरफा जीत मिल सकती है। वहीं हैदराबाद के तीनों नगर निगमों के संभावित चुनाव में भाजपा के मौजूदा पार्षदों को नुकसान होने का अनुमान जताया गया है।

सर्वे के अनुसार भाजपा के अधिकांश मौजूदा पार्षदों के चुनाव हारने की संभावना है।

युवाओं के बीच भाजपा के समर्थन को लेकर भी सर्वे में दावा किया गया है कि हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पार्टी का प्रभाव काफी कमजोर हुआ है। दूसरी ओर बीआरएस के सोशल मीडिया अभियान को पार्टी के बढ़ते प्रभाव का एक कारण बताया गया है। सर्वे में दावा है कि बीआरएस के सोशल मीडिया की सक्रियता कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा प्रभावी रही है। यहां तक कि पहले बीआरएस का विरोध करने वाले कुछ पत्रकारों के रुख में बदलाव का भी दावा किया गया है।

हालांकि, सर्वे में किए गए इन राजनीतिक दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सर्वे का नमूना आकार, सर्वेक्षण की विस्तृत पद्धति और क्षेत्रवार आंकड़ों का आधार सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं है। ऐसे में इन निष्कर्षों को फिलहाल सर्वे के अनुमान के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। तेलंगाना की वास्तविक राजनीतिक तस्वीर आगामी चुनावों में ही स्पष्ट होगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज की ओवैसी की याचिका

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने 2011 में एक जनसभा के दौरान भगवान राम और उनकी माता के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए अपने खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक सहिष्णुता को किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का जानबूझकर अपमान करने के लाइसेंस के रूप में गलत नहीं समझा जा सकता है । औरंगाबाद बेंच के जस्टिस आरएम जोशी ने निचली अदालत के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसने भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए और 298 के तहत अपराधों का संज्ञान लिया था. कोर्ट ने माना कि विधायक के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है ।

2011 में नांदेड़ में चुनावी रैली में दिए भाषण से शुरू हुआ था मामला

यह मामला 8 दिसंबर, 2011 को नांदेड़ में एक चुनावी रैली में ओवैसी की तरफ से दिए गए भाषण से जुड़ा है, जो इलाहाबाद हाई कोर्ट के श्रीराम जन्मभूमि फैसले की पृष्ठभूमि में दिया गया था। सोशल मीडिया पर भाषण का वीडियो देखने के बाद बीजेपी विधायक टी. राजा सिंह ने एक निजी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद नांदेड़ जिले के अर्धापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।जांच के बाद पुलिस ने 15 मार्च, 2021 को चार्जशीट दाखिल की और ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास ने 15 नवंबर, 2021 को ओवैसी को समन जारी किया एआईएमआईएम नेता ने इन कार्यवाहियों को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि तीन साल की समयसीमा (लिमिटेशन पीरियड) समाप्त होने के बाद कोर्ट मामले का संज्ञान नहीं ले सकता, क्योंकि इन अपराधों के लिए अधिकतम सजा तीन साल की है ।

नकली फ़ोन पे- गूगल पे से ठगी, तीन युवक और नाबालिग गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में डिजिटल भुगतान के नाम पर ठगी का अनोखा तरीका सामने आया है। पुलिस ने शिवम रोड स्थित एसबीआई एटीएम से नकदी निकालने वाले लोगों को कथित तौर पर निशाना बनाने वाले तीन युवकों और एक नाबालिग को पकड़ा है। आरोपियों पर फर्जी फ़ोन पे और गूगल पे एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर भुगतान होने का झांसा देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी वास्तविक रकम ट्रांसफर किए बिना मोबाइल स्क्रीन पर भुगतान सफल होने का फर्जी प्रमाण दिखाते थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी एटीएम पर आने वाले लोगों पर नजर रखते थे और मौका मिलते ही उन्हें अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते थे। नकली डिजिटल भुगतान ऐप के जरिए ऐसा इंटरफेस तैयार किया जाता था, जो देखने में वास्तविक फोन पे या गूगल पे जैसा नजर आता था। इसके बाद भुगतान पूरा होने का फर्जी संदेश दिखाकर सामने वाले व्यक्ति को यह विश्वास दिलाया जाता था कि रकम ट्रांसफर हो चुकी है।

आरोप है कि इस तरीके में सबसे बड़ा हथियार लोगों का डिजिटल भुगतान पर भरोसा था। मोबाइल स्क्रीन पर सफल लेन-देन दिखाई देने के कारण पीड़ित तत्काल बैंक खाते में रकम जमा होने की पुष्टि नहीं कर पाते थे। इसी का फायदा उठाकर आरोपी अपना काम पूरा कर मौके से निकल जाते थे।मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। तकनीकी जानकारी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंच बनाई गई। कार्रवाई के दौरान तीन वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा। नाबालिग की पहचान कानून के तहत सार्वजनिक नहीं की गई है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने इस तरीके से कितने लोगों को निशाना बनाया और फर्जी भुगतान एप्लिकेशन का इस्तेमाल केवल शिवम रोड स्थित एटीएम तक सीमित था या शहर के अन्य इलाकों में भी इसी तरह की ठगी की गई।

साथ ही फर्जी ऐप उपलब्ध कराने वाले किसी अन्य व्यक्ति या नेटवर्क की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मामले में पकड़े गए तीन युवकों में पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ मामले से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की संभावना है।

विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ का कजरी मिलन एवं गौरव सम्मान समारोह संपन्न

हैदराबाद, 1 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा कजरी मिलन समारोह एवं संघ के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विंध्यांचल ब्राह्मण गौरव सम्मान समारोह का आयोजन संतोषी माता मंदिर, बेगम बाजार में किया गया। समारोह में बघेली लोकगीत, कजरी एवं खुजलैया मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने बताया कि भाग्यनगर में विंध्य क्षेत्र से आकर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। श्रीमद्भागवत कथा, शिव पुराण, राम कथा, रानी सती मंगल पाठ, आचार्यत्व, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, व्यवसाय एवं उच्च शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए 30 सदस्यों को 'विंध्यांचल ब्राह्मण गौरव' सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मानित सदस्यों में कमलेश त्रिपाठी (स्वामी जी), रामपाल पाण्डेय, वैदिक ग्लोबल ट्रस्ट प्रमुख नरेंद्र चतुर्वेदी, महंत संतोष पाठक, शशिनारायण द्विवेदी, पुष्पेंद्र शुक्ला ज्योतिषी, आचार्य कमलेश त्रिपाठी, पुष्पेंद्र शुक्ला शास्त्री, डॉ. अभिषेक द्विवेदी, कृष्णा द्विवेदी, सीए प्रियांशु तिवारी, राकेश शुक्ला सागर, कृष्ण शास्त्री, भगवताचार्य शिरोमणि शास्त्री, सुरेंद्र गौतम, आदित्य नारायण मिश्रा, बसंत मिश्रा, गोपाल कृष्ण शास्त्री, गजेंद्र शुक्ला, सुखेंद्र पाण्डेय, आचार्य सत्यप्रकाश तिवारी, आनंद, प्रवीण द्विवेदी, कौशलेन्द्र तिवारी शास्त्री, सौरव पाण्डेय, योगेश पाण्डेय (वायलिन वादक), रूपेश पाण्डेय, श्रीकांत, विपिन द्विवेदी तथा धनेन्द्र गौतम (बिट्टू जी) शामिल रहे।कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, दोनों उपाध्यक्ष अवधेश द्विवेदी एवं रामशिरोमणि तिवारी, कोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय सहित बृजेश शुक्ला, महंत चेतन गिरी, विशोक तिवारी, शिवकुमार तिवारी, उमाशंकर पाण्डेय, विष्णुदत्त पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, बीरेंद्र पाण्डेय, बांके बिहारी मिश्रा, शिवनारायण त्रिपाठी, नीरज शुक्ला, अजय शुक्ला, भूपेंद्र गौतम, दीपनारायण गौतम, सुशील पाण्डेय, प्रकाश गर्ग, राजेश तिवारी, कुबेर द्विवेदी, सूरज शुक्ला, धीरज त्रिपाठी, राम दुलारे तिवारी, सचिन तिवारी, हरिनारायण तिवारी, संजय महाराज, उमेश पाण्डेय, विकास पाण्डेय एवं दिनेश सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कपड़ा बैंक का भव्य शुभारंभ, जरूरतमंदों को मिलेगा सम्मानपूर्वक सहयोग

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की अनूठी सेवा पहल

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से राष्ट्रीय कपड़ा बैंक परियोजना का भव्य उद्घाटन मंगलवार को प्रातः 8:15 बजे लूनिया धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगल प्रार्थना से हुई। इसके बाद सभी गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर इस सेवा परियोजना का विधिवत शुभारंभ किया।

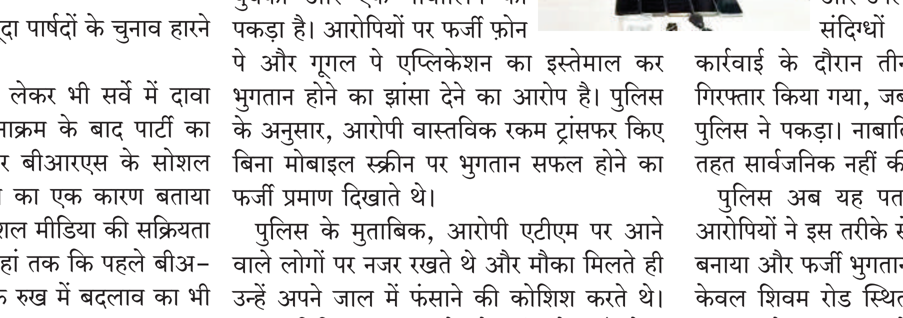

कार्यक्रम में रीजन-10 के संयोजक (एपेक्स) एवं हैदराबाद सेंटर के चेयरमैन वीर विनोद संचेती, जोन चेयरमैन वीर विनय झांगड़ा, जोन सचिव वीरा राखी बाफना, रीजन-10 सचिव वीर शील कुमार जैन, अंतरराष्ट्रीय निदेशक वीरा सीमा शील कुमार जैन, गवर्निंग काउंसिल के उपाध्यक्ष एवं हैदराबाद सेंटर के संयोजक वीर अजय नाहटा, सचिव वीरा कल्पना बारलोटा तथा वीरा अनीता खिनवासरा उपस्थित रहे।

इस सेवा परियोजना को सफल बनाने में तेलंगाना टीम के स्वयंसेवकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें हैदराबाद सेंटर से वीर अजय नाहटा, उड़ान सेंटर से वीरा मीनू, सिकंदराबाद सेंटर से वीरा सोनाक्षी, ऊर्जा सेंटर से वीर रुद्र जैन, अभ्युदय सेंटर से वीर आयुष कोठारी, डायमंड स्टार सेंटर से वीर अरुण कुमार जैन तथा साइबराबाद सेंटर से वीर हेतल मेहता शामिल रहे।

राष्ट्रीय कपड़ा बैंक परियोजना के अंतर्गत कपड़े एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं मात्र 10 रुपये प्रति वस्तु की सम्मानजनक राशि पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सम्मानपूर्वक सहायता पहुंचाना, उनके जीवन में खुशियां बांटना, पुराने कपड़ों के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना तथा वस्त्रों की बर्बादी को कम करना है।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद परिवार ने इस पुनीत सेवा कार्य को सफल बनाने में गरिमामयी उपस्थिति, सहयोग एवं योगदान देने वाले सभी गणमान्य अतिथियों, वीर-वीराओं तथा स्वयंसेवकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.